आज का विचार

हमेशा सही के साथ ही खड़े रहे, भले की अंत तक अकेला ही क्यों न रहना पड़ जाए।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

8

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । शनिवार, 28 जून, 2025 वर्ष 23, अंक 158, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

कांग्रेस ने अभी तक आपातकाल के लिए देश से माफी नहीं मांगी: शिवराज सिंह चौहान

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने आपातकाल के बहाने कांग्रेस को घेरा, बोले—तानाशाही कांग्रेस के डीएनए में

एजेंसी (हि.स.)

वाराणसी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आपातकाल के बहाने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आपातकाल की याद दिलाते हुए कहा कि इंदिरा गांधी ने सिर्फ कुर्सी के लिए लोकतंत्र की हत्या की। सिर्फ अपनी सत्ता बचाने की चाहत में इंदिरा ने देश में आपातकाल लगाया। बाह्य सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा को उस समय कोई ऐसा खतरा नहीं था।

केंद्रीय मंत्री चौहान शुक्रवार को यहां सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि 12 जून 1975 को हाई कोर्ट ने ये फैसला दिया था कि इंदिरा गांधी ने भ्रष्टाचार का सहारा लिया है और गलत तरीके से चुनाव जीता था। कोर्ट ने छह वर्ष तक इंदिरा गांधी के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है। आज भी सिर्फ तरीकों का बदलाव हुआ है, नीयत आज भी वैसी ही तानाशाही वाली है। तानाशाही कांग्रेस के डीएनए में है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस की मनमोहन सिंह की सरकार थी तब कैबिनेट का एक फैसला हुआ था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस फैसले की प्रति को प्रेस के सामने फाड़कर फेंक दिया था। तब सिर्फ फैसले की प्रति नहीं फाड़ा था, संविधान का फैसला फाड़ा था, ये संविधान की हत्या थी।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि लोकतंत्र का अपमान करने वाली कांग्रेस को देश से अपनी ऐतिहासिक गलती के लिए माफी मांगनी चाहिए। अभी तक कांग्रेस ने

आपातकाल के लिए देश से माफी नहीं मांगी है। तब हजारों परिवार तबाह हो गए, एक लाख से अधिक लोग जेलों में थे। शिवराज सिंह ने राहुल गांधी का नाम न लेकर तंज कसते हुए कहा कि वह जो संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं, उन्हें जवाब देना पड़ेगा। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ये संविधान की हत्यारिन कांग्रेस भाजपा की बात करती है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संविधान को जीते हैं। लोकतंत्र का सम्मान करते हैं। चुनाव जीतकर जब नरेन्द्र मोदी ने संसद की सीढ़ियों को प्रणाम किया था, वह संविधान का प्रति आदर था। जब देश पर संकट आया प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी दलों को भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया, ये संविधान की मूल भावना का आदर है। जब भी कैबिनेट की बैठक होती है तब प्रधानमंत्री मोदी एक-एक मंत्री से पूछते हैं।

एक सवाल के जबाब में केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि संविधान दिवस के नाम पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बिना वजह हल्ला मचा रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सिर्फ इतना बता दें कि क्या कांग्रेस में लोकतंत्र है। कांग्रेस अध्यक्ष कांग्रेस नहीं चलाते हैं। आज भी एक परिवार कांग्रेस चला रहा है।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत के संविधान को धर्म निरपेक्षता और समाजवाद शब्द की जरूरत नहीं है। ये दोनों शब्दों को हटाया जाना चाहिए। धर्म निरपेक्षता और समाजवाद शब्द को संविधान में बाद में अपने फायदे के लिए जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को क्षतविक्षत कर रक्तरंजित करने वाले आपातकाल की भयावहता आज भी स्मृतियों में जीवित है। कांग्रेस ने अपने दम्भ और अहंकार में क्रूरता और दमन की पराकाष्ठा से 50 वर्ष पूर्व लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक व्यवस्थाओं पर सीधा हमला किया।

पत्रकार वार्ता के दौरान क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, भाजपा के जिलाध्यक्ष व एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि आदि भी मौजूद रहे।

हरियाणा में 718 करोड़ से ज्यादा के कॉन्ट्रैक्ट और वस्तुओं की खरीद को दी गई मंजूरी

सीएम सैनी की अध्यक्षता में हुई एचपीपीसी और एचपीडब्ल्यूपीसी की बैठक

भूपेंद्र शर्मा

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी), तथा हाई पॉवर्ड वर्क्स परचेज कमेटी (एचपीडब्ल्यूपीसी) की बैठक में लगभग 718 करोड़ रुपये से अधिक के कॉन्ट्रैक्ट और विभिन्न वस्तुओं की खरीद को मंजूरी दी गई। बैठक में विभिन्न बोलीदाताओं से नेगोसिएशन के बाद दरें तय करके लगभग 26 करोड़ रुपये से ज्यादा की बचत की गई है। बैठक में कैबिनेट मंत्री श्री महीपाल ढांडा, श्री विपुल गोयल, श्री श्याम सिंह राणा, श्री रणबीर गंगवा और श्रीमती श्रुति चौधरी उपस्थित रहे।

बैठक में हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ट्रांसमिशन लाइन टावरों और सब-स्टेशन संरचनाओं के विनिर्माण एवं आपूर्ति, एचटी भूमिगत लाइनों इत्यादि के लिए भी लगभग 132 करोड़ रुपए के रेट कॉन्ट्रैक्ट को मंजूरी दी गई। इसके अलावा, जिला अंबाला के तहत नारायणगढ़ डिवीजन में रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत एग्रीगेट

- जीएमडीए की 127 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं को मिली स्वीकृति
- स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, नए एमसीएच ब्लॉक को मंजूरी

टेक्निकल एंड कमर्शियल लॉस (एटी एंड सी) को कम करने के लिए डिस्ट्रीब्यूशन इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए भी मंजूरी प्रदान की गई। इस पर लगभग 53.86 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

बैठक में पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा पशुओं में गलघोटू और मुंह खुर बीमारी से बचाव के लिए एफएमडी पल्स एचएस दोहरी वैक्सीन की लगभग 220 लाख खुराक की खरीद को भी मंजूरी दी गई। इस पर लगभग 73.45 करोड़ रुपए की लागत आएगी। बैठक में जानकारी दी गई कि हरियाणा प्रदेश वर्तमान में इन दोनों बीमारियों से मुक्त है और लगातार इनके बचाव के लिए वैक्सीन अभियान भी चलाया जा रहा है। यह टीकाकरण वर्ष में 2 बार 6- 6 माह के अंतराल में किया जाता है।बैठक में बेहरामपुर में मौजूदा 120 एमएलडी एसटीपी का अपग्रेडेशन करके शुद्ध किए जाने वाले पानी की गुणवत्ता को ओर अधिक बढ़ाने की परियोजना को भी स्वीकृति दी गई। इसके लिए लगभग 33.88 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसके अलावा, गुरुग्राम शहर में मौजूदा 100 एमएलडी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को अपग्रेड करने तथा 75 एमएलडी क्षमता वाले टर्शरी उपचार संयंत्र की स्थापना इत्यादि के कार्यों को भी मंजूरी दी गई। इस पर लगभग 51.34 करोड़ रुपए की लागत आएगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि ट्रीटेड पानी के उपयोग को बढ़ाने के लिए प्रयास किए जाएं। उद्योगों को उनकी जरूरतों के अनुरूप यह शोधित पानी की आपूर्ति की जाए ताकि वे स्वच्छ पानी के उपयोग को कम कर सकें और भूजल दोहन न हो सके। बैठक में श्री शीतला माता देवी मेडिकल कॉलेज, सेक्टर-102ए, खेड़की माजरा, गुरुग्राम के लिए लगभग 26.95 करोड़ रुपये की गैर - मेडिकल उपकरणों की खरीद और रखरखाव को भी मंजूरी दी गई। इसके अलावा, शहर में द्वारका एक्सप्रेस वे के साथ साथ विभिन्न स्थानों पर रीसाइकिल पाइप लाइन के स्थानांतरण कार्य को भी मंजूरी प्रदान की गई। इस पर लगभग 14.90 करोड़ रुपए की लागत आएगी। बैठक में फरीदाबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी की परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई। फरीदाबाद में जलापूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इससे एनआईटी और बल्लभगढ़ क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा। इस परियोजना पर लगभग 13.85 करोड़ रुपये की लागत आएगी। साथ ही, फरीदाबाद शहर में मास्टर सीवरेज और ड्रेन लाइनों की सफाई व रखरखाव के लिए भी मंजूरी दी गई। इस परियोजना पर लगभग 21.35 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसके अलावा, सिटी बस सर्विस के तहत इलेक्ट्रिक बसों के लिए फरीदाबाद के सेक्टर-61 में बस डिपो का निर्माण किया जाएगा। इसमें चार्जिंग स्टेशन की भी व्यवस्था होगी। इसके लिए 18.48 करोड़ रुपये की मंजूरी प्रदान की गई।

बैठक में पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक में 23.64 करोड़ रुपये की लागत से गर्ल्स हॉस्टल के निर्माण को मंजूरी दी गई।

आपातकाल में श्रीलंका के साथ समझौते के कारण आज भी हमारे मछुआरे पकड़े जा रहे: जयशंकर

एक देश के आतंकवाद पर आपत्ति से नहीं हो पाया एससीओ में संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि आपातकाल में श्रीलंका के साथ किए गए एक समझौते की कीमत आज भी हमारे मछुआरों को चुकानी पड़ रही है। इस समझौते के कारण हमने मछली पकड़ने का हक खो दिया और इसी कारण श्रीलंका भारतीय मछुआरों को पकड़ लेता है। जयशंकर ने कहा, ह्लहम श्रीलंका द्वारा हमारे मछुआरों को गिरफ्तार किए जाने के बारे में सुनते हैं। इसका कारण यह है कि आपातकाल के दौरान एक समझौता किया गया था जिसके तहत श्रीलंका के कुछ समुद्री जल में मछली पकड़ने के मछुआरों के अधिकारों को त्याग दिया गया था।

दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा ने आज एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आपातकाल के 50 साल पूरे होने के मौके पर मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दीप प्रज्वलित कर इसकी शुरूआत की। मॉक पार्लियामेंट्र में विभिन्न कॉलेजों के युवा छात्रों ने भाग लिया।

जयशंकर ने चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संयुक्त घोषणापत्र

पर हस्ताक्षर करने से इनकार का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि एसीओ का मकसद आतंक से लड़ना हैं। राजनाथ सिंह आउटकम डॉक्युमेंट में आतंकवाद का विषय चाहते थे। एक देश (पाकिस्तान) नहीं चाहता था कि आतंकवाद का जिक्र हो। इसी के चलते उन्होंने साइन करने से इनकार कर दिया। इस अवसर पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि इमरजेंसी के कई सालों बाद आज भी कांग्रेस से पूछा गया कि देश में जो इमरजेंसी लगी क्या उसके लिए आप रिग्रेट हैं तो उसमें से आज भी किसी को उसका कोई रिग्रेट नहीं है।

विदेश मंत्री ने कहा कि 1971 में जीतने के बाद सरकार की लोकप्रियता काफी घट गई थी क्योंकि भ्रष्टाचार अपने चरम पर था और गुजरात में सरकार गिर गई थी। इसलिए सरकार ने नया तरीका निकाला कि कैसे सरकार के प्रति लोगों में डर पैदा की जाए इसलिए उन्होंने देश में इमरजेंसी लगा दी।

डॉ. जयशंकर ने कहा कि कांग्रेस ने आपातकाल के सिर्फ 21 महीनों में ही संविधान में पांच संशोधन और 48 ऑर्डिनेंसेस पास किए। आपातकाल कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं था बल्कि हमारे जीवन के रहन-सहन पर ही अटैक था और यह सिर्फ एक परिवार के कारण हुआ। कुछ लोग संविधान की प्रति हाथ में लेकर घूमते हैं पर दिल की भावना कुछ और है, क्या कभी कांग्रेस ने आपातकाल के लिए माफी मांगी ?

श्री जगन्नाथ रथयात्रा: अमित शाह ने अहमदाबाद के श्री जगन्नाथ मंदिर में की मंगला आरती

एजेंसी (हि.स.)

अहमदाबाद

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज 148वीं रथयात्रा के पावन अवसर पर अहमदाबाद के सुप्रसिद्ध श्री जगन्नाथ मंदिर में मंगला आरती में भाग लिया और भगवान के दर्शन किए।

देशभर में भगवान जगन्नाथजी के प्रति गहरी आस्था है। प्रतिवर्ष आषाढ़ी बीज के पावन दिन भगवान जगन्नाथजी अपने भक्तों को दर्शन देने

के लिए नगर यात्रा पर निकलते हैं। इसी परंपरा के तहत रथयात्रा शुरू होने से पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने परिवार के साथ भगवान जगन्नाथजी की मंगला आरती कर पूजा-अर्चना की।

आस्था का प्रतीक इस रथयात्रा के पावन अवसर पर अहमदाबाद मंदिर के महंत दिलीपदासजी, अखिल भारतीय संत समिति के अध्यक्ष अविचलदासजी, राज्य के गृह राज्यमंत्री हर्ष सांघवी, सहकार राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, स्थानीय विधायकगण, संत-महंत और बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की 58वीं रथ यात्रा

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

महाप्रभु जगन्नाथ की 58वीं रथयात्रा शुक्रवार को त्यागराज नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ निकली। उत्सव की शुरूआत सुबह साढ़े 4 बजे मंगल आरती के साथ हुई।

महाप्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा को रपहंडी बिजेर भी कहा जाता है जो सुबह 11.30 बजे शुरू हुआ। इस अनुष्ठान के तहत चारों देवताओं महाप्रभु जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा और सुदर्शन को मंदिर के पुजारियों ने अपने कंधे पर सवार करके रथ पर स्थापित

किया। फिर रथ यात्रा को शांतिपूर्ण तरीके से जगन्नाथ मार्ग (भव्य प्रांगण), आईएनए मार्केट, कश्मीर मार्केट, आईएनए मेट्रो स्टेशन, राज्यसभा कर्मचारी आवासीय परिसर से होकर वापस मौसी मां मंदिर पहुंची, जिसे विशेष रूप से त्यागराज नगर सरकारी कर्मचारी आवासीय परिसर के परिसर में बनाया गया था। इस वर्ष की रथयात्रा का एक आकर्षण ओडिशा सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा नियुक्त ह्लघंटालोंह्व का एक समूह था, जो बहुत ही आकर्षक शैली में घंटियां बजाते हुए चल रहे थे। इस उत्सव में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज सहित कई लोग मौजूद रहे। मंदिर के संरक्षक सुधाकर महापात्रा ने बताया कि रथ खींचने के लिए शहर के करीब 50 हजार भक्त शामिल हुए। इस अवसर पर दिल्ली पुलिस के निर्देश और पर्यवेक्षण के अनुसार सुरक्षा के व्यापक और पर्याप्त प्रबंध किए गए थे। सीसीटीवी, मोबाइल कैमरे, आग बुझाने वाले सिलेंडर, दो सुसज्जित एम्बुलेंस और दो डॉक्टर आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए मौजूद थे।

उपराष्ट्रपति ने शेरवुड कॉलेज के 156वें स्थापना दिवस पर युवाओं से किया राष्ट्र निर्माण का आह्वान

देश के लिए समर्पित हों लक्ष्य, राष्ट्र, समाज और मानवता के लिए कार्य करें : उपराष्ट्रपति

एजेंसी (हि.स.)

नैनीताल

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को अपने तीन दिवसीय नैनीताल प्रवास के अंतिम दिन नगर के ऐतिहासिक एवं प्रतिष्ठित शेरवुड कॉलेज के 156वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए युवाओं से राष्ट्र, समाज और मानवता के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अपने लक्ष्य को केवल व्यक्तिगत लाभ तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उसे व्यापक बनाकर समाज और देश के लिए समर्पित करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को स्मरण कराया कि इतिहास केवल उन्हें याद रखता है जिन्होंने दूसरों के लिए जीवन जिया हो। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक गहराई 5000 वर्षों की है और उसे बिना शर्त पूर्ण राष्ट्रवाद की आवश्यकता है।

शिक्षा को लोकतंत्र की रीढ़ बताते हुए उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल विशेषाधिकार नहीं, एक समतुल्य साधन है जो समाज में समानता स्थापित करता है। अभिभावकों से उन्होंने अपील की कि वे बच्चों पर करियर तय करने का दबाव न डालें और उन्हें स्वयं अपनी राह चुनने दें, ताकि वे केवल सत्ता या पैसे की ओर न भागें।उपराष्ट्रपति ने भारत को अब संभावनाओं वाला नहीं, बल्कि संभावनाओं को साकार करने वाला राष्ट्र

बताया। उन्होंने बीते दशक को भारत के लिए आर्थिक प्रगति, वैश्विक स्तर पर पहचान और अधोसंरचना विकास का दशक बताया। उन्होंने कहा कि भारत अब सबसे तेज गति से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बन चुका है। पूर्व छात्रों की विरासत की चर्चा करते हुए उन्होंने शेरवुड कॉलेज के पूर्व छात्रों-मेजर सोमनाथ शर्मा और फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ सहित अनेक विभूतियों का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि शेरवुड कॉलेज केवल एक संस्थान नहीं, एक परंपरा है और विद्यार्थियों को इस परंपरा का उत्तरदायित्व समझते हुए नए मानक स्थापित करने होंगे। युवाओं की भूमिका पर बल देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत के पास एक विशेष जनसांख्यिकीय लाभांश है, जहां 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम उम्र की है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में हमें परिवर्तन का अनुसरण नहीं, बल्कि आवश्यकता के अनुसार स्वयं परिवर्तन गढ़ना है। उन्होंने भारत द्वारा जी-20 में प्रस्तुत ह्लह्लएक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्यह्लह्ल के संदेश को दोहराया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन जैसे तकनीकी परिवर्तन अब विद्यालयों तक पहुंच चुके हैं और युवाओं को इनके अनुरूप स्वयं को ढालना होगा, ताकि वे राष्ट्र के योग्य नागरिक बन सकें।

इस अवसर पर उत्तराखंड के राज्यपाल सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि शेरवुड कॉलेज शिक्षा का ही नहीं, चरित्र निर्माण का केंद्र है। उन्होंने कहा कि यह संस्थान केवल ज्ञान देने का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला भी रहा है। उन्होंने छात्रों से कहा कि उनकी प्रत्येक सफलता केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राष्ट्र की संपत्ति है। राज्यपाल ने कहा कि जब विद्यार्थी समाज की समस्याओं को अपनी जिम्मेदारी समझने लगें, तभी हम सही दिशा में बढ़ रहे होते हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि यह समय उनका है और उन्हें अपनी पहचान चरित्र और समर्पण के माध्यम से बनानी चाहिए। कार्यक्रम में मंडलायुक्त दीपक रावत, पुलिस महानिरीक्षक रिद्धिम अग्रवाल, जिलाधिकारी वंदना सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रहलाद नारायण मीणा, प्रधानाचार्य अमनदीप संधू सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मनूनी खड्ड बाढ़ हादसा : एक और शव बरामद, अब तक छह शव मिले

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

बादल फटने की घटना के बाद जिला कांगड़ा के मुख्यालय धर्मशाला की मनूनी खड्ड में आई बाढ़ की चपेट में बहे मजदूरों में से आज तीसरे दिन एक और शव बरामद हुआ है। अभी तक इस घटना में छह शव बरामद कर लिए गए हैं जबकि एक को जीवित रेस्क्यू किया गया है। इस हादसे में छठे शव की अभी पहचान नही हो पाई है। वहीं हादसे में मारे गए छह में से पांच की पहचान जो चुकी है जबकि आज सुबह मिले शव की पहचान अभी नही हो पाई है। उधर आज दिन में फिर बारिश की बजह से रेस्क्यू ऑपरेशन को रोकना पड़ा है।

रेस्क्यू किए गए चंबा के लवली ने बताया कि वह इंदिरा प्रियदर्शनी हाइड्रल प्रोजेक्ट सोकणी दा कोट प्रोजेक्ट में काम कर रहा है। जिस वक्त नाले में शेड बहा, उस दौरान शेड में 13 मजदूर दिन का खाना खा रहे थे। वह खुद नाले में आवाज सुनकर जंगल की तरफ भागा और अपनी जान बचाई। घटनास्थल के पास से 2 शव बुधवार शाम, 3 शव गुरुवार और एक शव आज सुबह मिला है। इन 6 शवों के अलावा एक मजदूर यहां से रेस्क्यू किया गया है। उधर लवली के मुताबिक, लापता मजदूरों की संख्या 6 हो सकती है। हालांकि सरकार 4 लोग लापता बता रही है।

वहीं मृतकों में आदित्य ठाकुर (20) सुपुत्र शिव कुमार निवासी राख तहसील और जिला चंबा, चैन सिंह (20) सुपुत्र मुखाराम निवासी कुमाहारी तहसील भाल्ला जिला डोडा जम्मू कश्मीर, प्रदीप वर्मा (50) सुपुत्र राम कांत वर्मा निवासी सोहनपुर देवरिया उत्तर प्रदेश तथा चंदन वर्मा (35) सुपुत्र प्रदीप वर्मा निवासी सोहनपुर देवरिया उत्तर प्रदेश तथा संजय सुपुत्र हरबंस निवासी पांकुरा डाकखाना नांगल तहसील फतेहपुर जिला कांगड़ा शामिल हैं। वहीं रेस्क्यू दल ने एक व्यक्ति को जिंदा बचा लिया है। जिसकी पहचान लवली (20) सुपुत्र सुरमा राम निवासी पूना डाकखाना सुनारा तहसील धरवाला जिला चंबा के रूप में हुई है। वह भागकर जंगल की तरफ चला गया था। एसएसपी कांगड़ा शालिनी अग्निहोत्री ने यह पुष्टि की है।

उन्होंने बताया कि वहीं लापता अन्य लोगों को खोजने के लिए युद्ध स्तर पर सर्च ऑपरेशन चला हुआ है। सुरक्षा के दृष्टिगत पावर प्रोजेक्ट में कार्यरत बाकी लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है। जिला प्रशासन पूरी सतर्कता एवं समन्वय के साथ राहत एवं बचाव कार्य में जुटा हुआ है। लापता व्यक्तियों की खोज के लिए सर्च ऑपरेशन को और अधिक तेज कर दिया गया है। राहत एवं बचाव कार्य लगातार युद्धस्तर पर जारी है। घटनास्थल पर राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की दो टुकड़ियाँ तथा होम गार्ड की एक टीम तैनात है और निरंतर सर्च ऑपरेशन में जुटी हुई हैं।

गौर हो कि मनूनी खड्ड की बाढ़ की चपेट में आने से करीब 13 लोग चपेट में आ गए थे, जिसमें पांच लोग अपनी जान बचाकर जंगल की तरफ भाग गए थे, वहीं आठ लोग बाढ़ की चपेट में आने से लापता हुए थे। इसमें चार लोग शाम को वापिस सुरक्षित स्थान में पहुंच गए थे, जबकि चंबा के लवली जंगल की तरफ भागते देखे गए थे, उन्हें सुबह सुरक्षित रेस्कूय किया गया था। इस घटना में अब तक कुल छह शवों को खोज लिया गया है, जबकि तीन शवों को खोजने का अभियान चल रहा है।

उधर उपायुक्त कांगड़ा हेम राज बैरवा ने बताया कि धर्मशाला के खनियारा में मनूनी खड्ड में प्रोजेक्ट में बहे मजूदरों की खोज को अभियान जारी है। जिसमें छह शवों को बरामद कर लिया गया है, इनका पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। छठे शव की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। अन्य लापता लोगों को खोजने का भी प्रयास चल रहा है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के अलावा श्री अमरनाथ यात्रा के लिए अर्धसैनिक बलों की 180 से अधिक कंपनियों को तैनात किया गया है: आईजीपी

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

38 दिनों तक चलने वाली श्री अमरनाथ जी की पवित्र गुफा की यात्रा 3 जुलाई को दो मार्गों से शुरू होने वाली है अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा पहलगाम मार्ग और गादंरबल जिले में छोटा लेकिन अधिक ढलान वाला 14 किलोमीटर लंबा बालटाल मार्ग जो 3,880 मीटर ऊंचे पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर तक जाता है। यात्रा शुरू होने से एक दिन पहले जम्मू स्थित भगवती नगर बेस कैंप से तीर्थयात्रियों का पहला जत्था कश्मीर के लिए रवाना होगा।

प्रशासन इस साल सफल यात्रा सुनिश्चित करने के लिए तैयार और प्रतिबद्ध है। जम्मू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) भीम सेन टूटी ने जम्मू में संवाददाताओं को बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने यात्रा के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की है। आईजीपी टूटी ने जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार के साथ यात्रा के लिए सुरक्षा समेत अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि जिस तरह हम पिछले वर्षों में सुरक्षा प्रदान करते रहे हैं, इस वर्ष भी बेहतर व्यवस्था की जा रही है, चाहे अर्धसैनिक बलों की संख्या हो, संवेदनशील क्षेत्रों में तैनाती हो या सीसीटीवी निगरानी हो। पहले की तुलना में अधिक सतर्क और बहुस्तरीय सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

क्षेत्र में यात्रा के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती के बारे में उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के अलावा यात्रा के लिए अर्धसैनिक बलों की 180 से अधिक कंपनियों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि लखनपुर से बनिहाल तक जम्मू कश्मीर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा रोड ओपनिंग पार्टी से लेकर सीसीटीवी कैमरे तक सब कुछ स्थापित किया गया है और लंगर, ठहरने के केंद्रों पर भी सुरक्षा प्रदान की गई है। पिछले साल लखनपुर से जम्मू तक कोई आरओपी (रोड ओपनिंग पार्टी) की व्यवस्था नहीं थी लेकिन इस साल यहां भी आरओपी होगी। आईजीपी ने कहा कि 2 जुलाई से शुरू होने वाली श्री अमरनाथ यात्रा पर ट्रैफिक पुलिस एक दैनिक सलाह जारी करेगी। उन्होंने कहा कि यात्रा आंदोलन से संबंधित सभी बिंदुओं पर कट-ऑफ टाइमिंग तय की जाएगी। यात्रा में भाग लेने के इच्छुक सभी तीर्थयात्रियों को इस सलाह का पालन करना चाहिए ताकि कोई समस्या या असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि सभी तीर्थयात्रियों को सुबह 4 बजे से 4:30 बजे के बीच निकलने वाले मुख्य काफिले में शामिल होने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत रूप से यात्रा करना उचित नहीं होगा। आधिकारिक काफिले के साथ यात्रा करने वालों को एक सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जाता है और एक संगठित और संरक्षित सेटअप में यात्रा करना अधिक सुरक्षित होता है।

हिमाचल में अवैध कटान और खनन से हर साल हो रही तबाही, सरकार को उठाने होंगे ठोस कदम : राठौर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और ठियोग से विधायक कुलदीप सिंह राठौर ने हिमाचल प्रदेश में बढ़ते अवैध वन कटान और खनन को लेकर अपनी ही सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने चेताया है कि यदि समय रहते इस गंभीर मुद्दे पर सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो प्रदेश को हर वर्ष प्राकृतिक आपदाओं से भारी नुकसान झेलना पड़ेगा।

राठौर ने शुक्रवार को शिमला में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि हाल ही में कुल्लू में बादल फटने की घटना के बाद बाढ़ में बड़ी मात्रा में बहकर आई लकड़ी इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर अवैध जंगलों की कटाई हो रही है। उन्होंने कहा कि इसी तरह की स्थिति 2023 की आपदा में भी देखने को मिली थी, जब जगह-जगह लकड़ियां बहती दिखाई दी थीं। उन्होंने सवाल उठाया कि ये लकड़ियां आखिर कहां से आ रही हैं? इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में जहां भी पावर प्रोजेक्ट्स लगाए जा रहे हैं, वहां बिना पर्यावरणीय संतुलन का ध्यान रखे अंधाधुंध पेड़ों का कटान किया जा रहा है। इससे पहाड़ों की संरचना प्रभावित हो रही है और बादल फटने जैसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं।

राठौर ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू से अपील करते हुए कहा कि उन्हें इस विषय पर गंभीरता से संज्ञान लेना चाहिए और अवैध खनन और जंगल कटान पर सख्त रोक लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ यूं ही जारी रही, तो आने वाले समय में प्रदेश को और अधिक भयानक आपदाओं का सामना करना पड़ सकता है।

कुलदीप राठौर का यह बयान ऐसे समय आया है जब मानसून ने दस्तक दी है और प्रदेश के कई हिस्सों में भूस्खलन, बाढ़ और सड़कों के टूटने जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। कांगड़ा और कुल्लू जिलों में बादल फटने के बाद आई बाढ़ में सात लोगों की मौत हुई है और कई अन्य लापता हैं।

भारतीय भाषा समर कैंप 2025: बहुभाषीयता और सांस्कृतिक गर्व का उत्सव

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल जवाहर नगर मंडी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और सीबीएसई के बहुभाषावाद को प्रोत्साहन देने की पहल के अंतर्गत भारतीय भाषा समर कैंप 2025 का सफल आयोजन किया गया। इस छह दिवसीय शिविर में प्राथमिक, उच्चतर और वरिष्ठ माध्यमिक वर्गों के 150 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस शिविर का उद्देश्य भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के प्रति छात्रों में गहन समझ और सम्मान विकसित करना था। सप्ताहभर चले इस कैंप में विद्यार्थियों ने कई रचनात्मक और अनुभवात्मक गतिविधियों में भाग लिया, जैसेझ्र विभिन्न भारतीय भाषाओं में आत्म-परिचय, संवाद अभ्यास, अंकों का नामकरण, वर्णमाला की पहचान, तथा अनुवाद अभ्यास। विशेष रूप से पंजाबी भाषा और संस्कृति को समर्पित दिन में पारंपरिक लोकनृत्य, शब्द गायन, पंजाबी शब्दावली निर्माण, कविता पाठ और पारंपरिक पंजाबी भोजन जैसे आयोजन विद्यार्थियों को पंजाबी विरासत से जोड़ते दिखे। साथ ही, स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतियां और कहानी सत्रों ने देशभक्ति और भाषाई चेतना को और भी गहराया। शिविर का समापन प्रमाण पत्र वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य के.एस. गुलेरिया ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों और आयोजक शिक्षकों को उनकी सराहनीय भागीदारी और समन्वय के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास न केवल भाषा कौशल को निखारते हैं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक बोध को भी सुदृढ़ करते हैं।

संक्षिप्त-समाचार

नेरी शोध संस्थान और एनआईटी हमीरपुर के बीच हुआ समझौता, नवाचार पर करेंगे संयुक्त शोध

हमीरपुर। ठाकुर रामसिंह इतिहास शोध संस्थान नेरी और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) हमीरपुर के बीच अकादमिक गतिविधियों और शोध के क्षेत्र में सहयोग हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा, इतिहास, लोक कला-संस्कृति, समाज विज्ञान तथा तकनीकी नवाचार जैसे क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान और अकादमिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देना है। शोध संस्थान के अध्यक्ष प्रो. भाग चंद चौहान ने इस अवसर पर कहा कि संस्थान एनआईटी हमीरपुर के साथ मिलकर अकादमिक क्षेत्र में सहभागिता को लेकर उत्साहित है और शोधार्थियों को हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। संस्थान के संगठन सचिव डॉ. चेतराम गर्ग ने जानकारी दी कि दोनों संस्थान पहले से ही कुछ संयुक्त शोध परियोजनाओं में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि एनआईटी हमीरपुर के निदेशक प्रो. हीरालाल मुरलीधर सूर्यवंशी और कुलसचिव प्रो. अर्चना ननोटी पिछले वर्ष संस्थान द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय परिसंवाद में अतिथि के रूप में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने इस सहयोग की नींव रखी थी। एनआईटी के निदेशक प्रो. सूर्यवंशी ने कहा कि यह समझौता हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत में निहित तकनीकी पक्षों को शोध के माध्यम से सामने लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी ह्ललोक विज्ञानह्व के वैज्ञानिक पक्ष को समाज के समक्ष प्रस्तुत करने में सहायक होगी।

संवेदनशील क्षेत्रों से प्रवासी मजदूरों को किया जाएगा सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट :अपूर्व देवगन

मंडी। मानसून सीजन में संभावित बाढ़, भूस्खलन और फ्लैश फ्लड की आशंका को देखते हुए मंडी जिला प्रशासन ने अग्रिम एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। उपायुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष अपूर्व देवगन ने आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 30 (अ) के तहत आदेश जारी करते हुए कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों में रह रहे श्रमिकों और प्रवासी मजदूरों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जाएगा। उपायुक्त ने निर्देश दिए हैं कि एनएचएआई, मोर्थ, जल विद्युत परियोजनाएं, लोक निर्माण विभाग, जल शक्ति विभाग, नगर निकाय और पंचायतें अपने-अपने कार्यक्षेत्र में प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और जोखिम भरे क्षेत्रों से उन्हें शीघ्र हटाएं। उन्होंने बताया कि कुछ परियोजना स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों के पास अस्थायी झोंपड़ियां और टेंट लगे हैं, जो भारी बारिश, बाढ़ या भूस्खलन की स्थिति में गंभीर खतरा बन सकते हैं। ऐसे में सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया है कि वे मजदूरों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें। अपूर्व देवगन ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी अधिकारी द्वारा इस आदेश की अवहेलना की जाती है, तो उनके विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के अंतर्गत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम जनता से भी अपील की है कि वे नदियों, नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से न जाएं और किसी भी आपात स्थिति में जिला आपदा नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें।

एनडीपीएस अधिनियम के तहत कुख्यात ड्रग तस्कर की 25.35 लाख रुपये की संपत्ति जब्त

अनंतनाग। मादक पदार्थों की तस्करी पर लगातार कार्रवाई करते हुए और मादक पदार्थों से जुड़े अपराधों के प्रति अपनी शून्य सहनशीलता की नीति के तहत अनंतनाग पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 68-एफ (1) के तहत एक कुख्यात ड्रग तस्कर की अचल संपत्ति जब्त की। जब्त की गई संपत्ति बंगीदार मीर दंतेर, अनंतनाग में स्थित है जो बोट कॉलोनी खानबल निवासी अब्दुल रशीद फाशू के बेटे परवेज अहमद फाशू की है। वह एक आदतन अपराधी है और एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज कई मामलों में शामिल पाया गया है ।अवैध रूप से अर्जित संपत्ति की पहचान की गई और उसे कुर्क किया गया है जिसमें एक मंजिला कंक्रीट का आवासीय घर और 07 मरला की भूमि शामिल है और जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 25,35,882 रुपए है। जांच के दौरान संपत्ति की पहचान अवैध मादक पदार्थों के व्यापार से अर्जित आय के रूप में की गई। उचित कानूनी प्रक्रिया के बाद कुर्की आदेश को एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत पुष्टि के लिए सक्षम प्राधिकारी को भेज दिया गया है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अनंतनाग द्वारा नशीली दवाओं के तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे निरंतर अभियान का हिस्सा है और इसका उद्देश्य उन्हें अवैध व्यापार के आर्थिक लाभ से वंचित करना है।

नशीली दवाओं के बढ़ते खतरे से लड़ने के लिए घाटी भर में जन जागरूकता कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर और नशा मुक्त समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए जागरूकता और आउटरीच कार्यक्रमों की श्रृंखला के एक भाग के रूप में पुलिस ने नशीली दवाओं के बढ़ते खतरे से लड़ने के लिए अथक प्रयासों के साथ घाटी भर में जन जागरूकता कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की।

मुख्य कार्यक्रम युवा विकास और पुनर्वास केंद्र ईदगाह, श्रीनगर द्वारा आयोजित किया गया था जहां कार्यक्रम की शुरूआत युवा विकास और पुनर्वास केंद्र के निदेशक डॉ मोहम्मद मुजफ्फर खान द्वारा स्वागत नोट के साथ हुई, जिन्होंने मेहमानों का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, डीआईजी सीकेआर के एसओ पीर जहूर अहमद उपस्थित थे। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में एसपी उत्तर शौकत अहमद, एसडीपीओ खानयार, प्रशासनिक अधिकारी और डीआईजी सीकेआर श्रीनगर के निजी सचिव शामिल थे।

इस अवसर पर बोलते हुए डीआईजी सीकेआर के एसओ पीर जहूर अहमद ने नशीली दवाओं की लत की रोकथाम पर विचार-विमर्श किया और लोगों के जीवन को बचाने में सक्रिय होने की विनम्र अपील की। एसपी नॉर्थ ने प्रतिभागियों को नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी। विभिन्न प्रतिभागियों ने नशीली दवाओं की लत के विनाशकारी प्रभावों के बारे में भी बात की। इस बीच जनता को शिक्षित करने के लिए शोपियां, अनंतनाग, बडगाम, कुलगाम, कुपवाड़ा, हंदवाड़ा, गांदरबल और पीसीआर कश्मीर में आईआरपी 6 वीं बटालियन मुख्यालय सहित कश्मीर घाटी के विभिन्न जिलों में वाद-विवाद, रैलियां, सेमिनार और जागरूकता अभियान भी चलाए गए। इन कार्यक्रमों ने जागरूकता, शिक्षा और मजबूत सामुदायिक पुलिसिंग के माध्यम से नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के लिए एकजुट प्रतिक्रिया के लिए वैश्विक आह्वान को प्रतिध्वनित किया।

पोंटा की 10 वर्षीय मानसी ने डांस शो में पाया पहला स्थान

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

हिमाचल प्रदेश के पौंटा साहिब की होनहार छात्रा मानसी ने पंजाब के संगरूर में आयोजित टीवी चैनल डी.डी. पंजाबी के रियलिटी शो 'किसमें कितना है दम' के ग्रैंड फिनाले में अपने आयु वर्ग (10 वर्ष) की डांस प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

मानसी गुरु नानक मिशन स्कूल की कक्षा पांच की छात्रा है और उसे बचपन से ही डांस का अत्यधिक शौक है। वह स्थानीय डांस एकेडमी में नृत्य का प्रशिक्षण ले रही है। प्रतियोगिता के प्रारंभिक चार राउंड पौंटा साहिब में आयोजित किए गए थे, जबकि फाइनल मुकाबला पंजाब के संगरूर शहर में संपन्न हुआ।इस प्रतियोगिता में देश के पाँच राज्यों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया था, जिनमें से मानसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान पर कब्जा जमाया। मानसी की इस सफलता के पीछे उसकी कड़ी मेहनत और समर्पण की अहम भूमिका रही है।

मानसी के पिता मोहित कुमार व्यवसायी हैं, जबकि माता पूनम एक शिक्षिका हैं।

जिला प्रशासन मानसून के लिए करें पुख्ता तैयारियां : हर्षवर्धन चौहान

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

जिला सिरमौर के नाहन में जिला योजना, विकास एवं 20 सूत्रीय कार्यक्रम की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता आज उद्योग, संसदीय मामले तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने की। हिमाचल प्रदेश विधान सभा उपाध्यक्ष विनय कुमार, सांसद शिमला संसदीय क्षेत्र सुरेश कश्यप, विधायक पांवटा साहिब सुखराम चौधरी, विधायक नाहन अजय सोलंकी व अन्य सभी सरकारी एवं गैर सरकारी सदस्य भी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक के अध्यक्ष एवं उद्योग मंत्री हर्ष वर्धन चौहान ने कहा कि आज की बैठक में जिला में चल रहे कार्यो की विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि हिमाचल व जिला में विकास को गति प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा कार्य किया जा रहा है। सभी विभागों ने अपने अपने लक्ष्य भी पुरे किये हैं और जिला में विकास कार्यों में और तेजी लाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके इलावा पात्र लोगो को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले और कोई भ्ष्टार्चार इसमें न हो इसके लिए भी उपायुक्त को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने जिला प्रशासन को मानसून के लिए पुख्ता तैयारी करने के लिए कहा। उन्होंने उपायुक्त को अपने स्तर पर सभी विभागों के साथ नियमित रूप से बैठक आयोजित करने के लिए कहा ताकि लोगों की समस्याओं का त्वरित निपटारा किया जा सके।

आपदा

हिमाचल में अब तक सात शव बरामद

बाढ़ में लापता छह लोगों की तलाश जारी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में मूसलधार बारिश और बादल फटने की घटनाओं ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। दो दिन पहले कांगड़ा और कुल्लू जिलों में बाढ़ और भूस्खलन ने तबाही मचाई थी। इन हादसों में अब तक कुल सात लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि छह लोग अब भी लापता हैं और इनकी तलाशी के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। राहत की बात यह है कि एक मजदूर को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है। इसके साथ ही लाहौल-स्पीति जिले से फंसे 31 ट्रैकर्स को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

सबसे भीषण हादसा दो दिन पहले धर्मशाला के खनियारा क्षेत्र में हुआ, जहां भारी बारिश के कारण मनूनी खड्ड में अचानक बाढ़ आ गई। इंदिरा हाइड्रो प्रोजेक्ट में कार्यरत कई मजदूर इस बाढ़ की चपेट में आ गए। घटना के बाद एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की संयुक्त टीमों ने राहत कार्य शुरू किया। अब तक इस घटनास्थल से पांच मजदूरों के शव बरामद किए गए हैं, जिन्हें पोस्टमार्टम के लिए जोनल अस्पताल धर्मशाला भेजा गया है।

मृतकों की पहचान हो चुकी है। इनमें चेन सिंह पुत्र मुखाराम निवासी कुमहारी बटेही, तहसील भाला, जिला डोडा (जम्मू-कश्मीर), आदित्य ठाकुर पुत्र शिव कुमार निवासी सुनारा, तहसील धरवाला, जिला चंबा (हिमाचल प्रदेश), प्रदीप कुमार वर्मा पुत्र रामाकांत वर्मा और चंदन कुमार वर्मा पुत्र प्रदीप कुमार वर्मा, दोनों निवासी सोहनपुर देवरिया (उत्तर प्रदेश) और संजय पुत्र हरबंस, निवासी पंकुरा, तहसील फतेहपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) शामिल हैं।

इसी हादसे में एक मजदूर को एसडीआरएफ की टीम ने जीवित बचा लिया है। उसकी पहचान लवली पुत्र सुरमा राम निवासी गांव पूना, डाकघर सुनारा, तहसील धरवाला, जिला चंबा के रूप में हुई है। वह जंगल की ओर भाग रहा था, तभी राहत टीम ने उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

एसएसपी कांगड़ा शालिनी अग्निहोत्री ने बताया कि एसडीआरएफ की दो टीमें और होम गार्ड की एक यूनिट घटनास्थल पर तैनात हैं। प्रशासन ने इलाके की घेराबंदी कर बाकी मजदूरों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया है और सर्च ऑपरेशन को तेज कर दिया गया है। कमांडेंट बलजिंदर सिंह के नेतृत्व में एनडीआरएफ की 14वीं बटालियन की टीम ने घटनास्थल को दो हिस्सों में बांटकर गहन तलाशी अभियान चला रही है।कुल्लू जिले में भी दो दिन पहले तेज बारिश और बादल फटने से तीन लोग लापता बताए जा रहे हैं। राहत टीमें वहां भी लगातार तलाशी अभियान में जुटी हैं।

मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटे के लिए फिर से भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। चंबा, हमीरपुर, कांगड़ा, किन्नौर, कुल्लू, मंडी, शिमला और सोलन जिलों में फ्लैश फ्लड की चेतावनी दी गई है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेंजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

देश के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों का 3 व 4 जुलाई को गुरुग्राम में आयोजित होगा राष्ट्रीय सम्मेलन

मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव ने सम्मेलन की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर ने कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों का 3 व 4 जुलाई को मानेसर (गुरुग्राम) में आयोजित होने वाला राष्ट्रीय स्तरीय सम्मेलन देश में यह अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है। इस सम्मेलन में जब देशभर से प्रतिनिधि हरियाणा आएंगे, तो उन्हें केवल प्रशासनिक दक्षता ही नहीं, बल्कि एक सशक्त और सुसंस्कृत हरियाणा का अनुभव करवाया जाए ताकि अतिथि यहां से अविस्मरणीय अच्छा अनुभव लेकर जाएं। मुख्य प्रधान सचिव यहां मानेसर (गुरुग्राम) में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गुरुग्राम में विभिन्न स्थानों को चिह्नित कर इस सम्मेलन का प्रचार ज्यादा से ज्यादा किया जाए और अधिक से अधिक गुरुग्राम वासियों को इसकी जानकारी दी जाए। इस सम्मेलन का आयोजन लोकसभा सचिवालय, हरियाणा विधानसभा और हरियाणा सरकार के समन्वय में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन का विषय संवैधानिक लोकतंत्र और राष्ट्र निर्माण को मजबूत करने में शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका पर आयोजित किया जा रहा है। जो शहरी स्थानीय निकायों को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम होगा। यह सम्मेलन न सिर्फ शहरी स्थानीय निकायों को सुदृढ़ करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा, बल्कि विधायिका कार्य प्रणाली तथा हरियाणा के आतिथ्य भाव की मिसाल भी पेश करेगा। मुख्य प्रधान सचिव ने कहा कि यह सम्मेलन प्रधानमंत्री के स्वप्न ह्यएक राष्ट्र एक विधायिकाह्न की दिशा में बढ़ता हुआ महत्त्वपूर्ण कदम है। इस सम्मेलन के निमित्त शहरी स्थानीय निकायों की देश के विकास में सहभागिता को बढ़ाने का रोडमैप तैयार होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के इस सम्मेलन में शहरी विकास की रूपरेखा पर व्यापक चर्चा होगी। साथ ही सभी डेलिगेट्स के ठहरने की व्यवस्था गुरुग्राम में होने से सांस्कृतिक आदान-प्रदान व आपसी सहयोग की भावना भी बढ़ेगी। उन्होंने अधिकारियों के साथ डेलिगेट्स के स्वागत, ठहरने, आयोजन स्थल तक आवागमन, सम्मेलन के लिए पंजीकरण, स्वास्थ्य सुविधाएं, यातायात प्रबंधन व सुरक्षा इंतजामों को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक में बताया गया कि अतिथियों को दिल्ली एयरपोर्ट और नई दिल्ली एवं गुरुग्राम रेलवे स्टेशन पर सहयोग के लिए हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएंगे। ताकि इस सम्मेलन में आने वाले अतिथियों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस सम्मेलन में देशभर के राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से 500 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। बैठक में शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव विकास गुप्ता, सूचना, जनसंपर्क, कला एवं सांस्कृतिक विभाग के महानिदेशक के.एम. पांडुरंग, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी विवेक कालिया, हरियाणा विधानसभा स्पीकर के सलाहकार राम नारायण और वीडियो कॉन्फ्रेंस से लोकसभा सचिवालय से संयुक्त सचिव गौरव गोयल, हरियाणा हॉस्पिटलिटी विभाग के निदेशक मुकुल कुमार, गुरुग्राम के उपायुक्त अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा संचालित मोबाइल मेडिकल युनिट में 143 लोगों ने लिया स्वास्थ्य लाभ

अनिल गोयल
लाडवा

सांसद नवीन जिन्दल द्वारा कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्धेश्य से मोबाइल मेडिकल युनिट चलवाई जा रही हैं। आज लाडवा हल्के के गांव लोहारा में पहुंच कर लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाया गया। इन मोबाइल मेडिकल युनिटों में, एमबीबीएस डॉक्टर द्वारा परामर्श और जांच के बाद निःशुल्क दवाइयां वितरित की जाती है। इस मौके पर रक्त और युरिन के टेस्ट भी किये जाते हैं। सांसद नवीन जिन्दल के कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि नवीन जिन्दल की पहल पर मोबाइल मेडिकल यूनिट के शिविर आयोजित हो रहे हैं। नवीन जिन्दल ने क्षेत्र के लोगों को ज्यादा से ज्यादा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्धेश्य से इन मोबाइल मेडिकल युनिट की शुरूआत की है। मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा 123 मरीजों को परामर्श और जांच के बाद निःशुल्क दवाईयां प्रदान की गई व 20 लोगों के रक्त एवं युरिन के टेस्ट भी किए गए। उल्लेखनीय है कि सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा स्वस्थ कुरुक्षेत्र अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत लोगों को निःशुल्क दवाइयां, परामर्श और खान-पान से संबंधित स्वास्थ्यवर्धक आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। । इस अवसर पर राजेंद्र पांचाल शक्ति केंद्र प्रमुख, कृष्ण कुमार बूथ अध्यक्ष, सुरेश पांचाल पालक, योगी भूपेंद्र नाथ, रंजीत सिंह पालक, बिंटू कश्यप और गांव लोहारा के लोग उपस्थित रहे।

ऑपरेशन द्रोणगिरि के तहत प्रथम चरण में हरियाणा का चयन

- सोनीपत जिले से होगी पायलट प्रोजेक्ट की शुरूआत
- हरियाणा सरकार ने क्रियान्वयन हेतु गठित की राज्य व जिला स्तरीय कमेटियां

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तायुक्त एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार की राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति के तहत एक अभिनव पहल के अंतर्गत ₹ऑपरेशन द्रोणगिरि₹ के प्रथम चरण में भारत सरकार ने हरियाणा सहित पांच राज्यों को चयनित किया है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि केंद्र सरकार कि पहल को देखते हुए हरियाणा सरकार ने ₹ऑपरेशन द्रोणगिरि₹ के क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तरीय व जिला स्तरीय कमेटियां गठित की हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा में सोनीपत जिले को प्रथम चरण के लिए प्रारंभिक तौर पर योजना के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुना है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति का उद्देश्य राष्ट्रीय विकास, आर्थिक समृद्धि एवं सूचना आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। हरियाणा के अलावा महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, असम और उत्तर प्रदेश राज्यों को भी प्रथम चरण के लिए चुना गया है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि ह्यऑपरेशन द्रोणगिरिह्न का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले भू-स्थानिक आंकड़ों को सेवा प्रदाताओं तक पहुंचाना है, ताकि कृषि, परिवहन, बुनियादी ढांचा, आजीविका एवं कौशल विकास जैसे क्षेत्रों की विशिष्ट चुनौतियों का समाधान किया जा सके। इस परियोजना की नोडल एजेंसी सर्वे ऑफ इंडिया है, और हरियाणा के सोनीपत जिले को इसके आरंभ स्थल के रूप में चुना गया है।

भारत निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार मतदाता सूचियों के अद्यतन के लिए चलाये जाते हैं विशेष अभियान

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री ए. श्रीनिवास ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निदेर्शानुसार राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अपने-अपने राज्य में नियमित रूप से अभियान चलाकर त्रुटिरहित, अद्यतन और पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करते हैं। इसी कड़ी में आयोग ने बिहार राज्य में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण प्रारंभ करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि इस महाअभियान के तहत बूथ लेवल ऑफिसर (इछड) मतदाताओं के घर–घर तक जाकर सूचनाओं का सत्यापन करेंगे ताकि सभी पात्र नागरिकों को सूची में सम्मिलित किया जा सके, अयोग्य नाम हटाए जा सकें और मतदाता सूची में अपात्र व्यक्तियों की प्रविष्टियों को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि आयोग का मानना है कि देश में शहरीकरण में तेजी, लगातार प्रवास, युवाओं का मतदान के योग्य होना, मृतकों की सूचना न मिलना और अवैध प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में आ जाना जैसे कई कारणों से इस व्यापक संशोधन की आवश्यकता महसूस की गई।

उन्होंने कहा कि एउक ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे अपने बूथ लेवल एजेंट्स को प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए नियुक्त करें ताकि पुनरीक्षण की पारदर्शिता बनी रहे और किसी भी गड़बड़ी को प्रारंभिक स्तर पर ही दूर किया जा सके। पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान संविधान के अनुच्छेद 326 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 16 और 23 के तहत निर्धारित पात्रताओं का कठोरता से पालन किया जाएगा। ईआरओ द्वारा नाम जोड़ने के लिए प्रस्तुत दस्तावेजों की पुष्टि की जाएगी और ईसीआईनेट पर उन्हें अपलोड भी किया जाएगा, जिससे पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

मतदाता दस्तावेजों की गोपनीयता को बनाए रखने के लिए यह व्यवस्था की गई है कि ये दस्तावेज केवल अधिकृत निर्वाचन अधिकारियों तक ही सीमित रहेंगे। किसी दावे या आपत्ति की स्थिति में एईआरओ जांच करेगा और आवश्यकता होने पर जिला मजिस्ट्रेट या मुख्य निर्वाचन अधिकारी से अपील की जा सकती है। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वृद्ध, विकलांग, बीमार और अन्य कमजोर वर्गों के मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उनके लिए आवश्यकता अनुसार स्वयं सेवकों की सहायता, विशेष शिविर और मोबाइल टीमों की व्यवस्था की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह महत्त्वपूर्ण लोकतांत्रिक अभ्यास तभी सफल होगा जब इसमें मतदाताओं और राजनीतिक दलों की पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित हो। पुनरीक्षण प्रक्रिया न केवल मतदाता सूची की गुणवत्ता को बेहतर बनाएगी, बल्कि आगामी चुनावों की पारदर्शिता और निष्पक्षता को भी सुदृढ़ करेगी।

संक्षिप्त-समाचार

पवन गर्ग ने छात्रों के धरने की समाप्ति पर मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को दी बधाई

लाडवा। इंदिरा गांधी नेशनल कॉलेज, लाडवा के प्रधान एवं मेडिकल कॉलेज अग्रोहा के महासचिव पवन गर्ग ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में छात्रों के चल रहे धरना-प्रदर्शन के शांतिपूर्ण समाधान पर राज्य के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा को बधाई दी है। उन्होंने दोनों नेताओं की सूझबूझ, संवादपरक नेतृत्व और संवेदनशील दृष्टिकोण की सराहना करते हुए कहा कि सरकार ने छात्रों की चिंताओं को गंभीरता से लिया और समय रहते सकारात्मक पहल करते हुए आंदोलन का समाधान निकाला, जो एक जिम्मेदार शासन व्यवस्था की मिसाल है। पवन गर्ग ने यह भी कहा कि शिक्षा और युवाओं के मुद्दों पर सरकार का यह संवेदनशील रवैया भविष्य में छात्र हितैषी नीतियों को बढ़ावा देगा और राज्य के शैक्षणिक माहौल को सशक्त बनाएगा। पवन गर्ग ने विद्यार्थियों की समझदारी और जिम्मेदारी की भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने धरना समाप्त करने पर सहमति जताकर यह सिद्ध कर दिया कि वे शिक्षा को सर्वोपरि मानते हैं। उनका यह निर्णय स्वागत योग्य है, जिससे शैक्षणिक गतिविधियों में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी। पवन गर्ग ने आगे कहा कि छात्रों का यह कदम न केवल अनुशासन का परिचायक है, बल्कि यह दशार्ता है कि वे संवाद और समाधान में विश्वास रखते हैं।

तंजानियाई प्रतिनिधिमंडल के साथ वित्तीय बातचीत

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आज यहां तंजानिया गणराज्य के संयुक्त वित्त आयोग (जेएफसी) के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, श्री रस्तोगी ने भारत के राजकोषीय ढांचे को रेखांकित करते हुए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच कर संग्रह जिम्मेदारियों, राजस्व स्रोतों, ऋण वित्तपोषण तंत्र, ऋण और अनुदान के विभाजन की जानकारी दी। उन्होंने राजकोषीय अनुशासन के लिए हरियाणा की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि राज्य बजट से बाहर उधार लेने से बचता है। श्री रस्तोगी ने भारत में राजकोषीय संघवाद के सिद्धांतों की व्याख्या करते हुए बताया कि राज्यों को वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर केंद्रीय कर राजस्व का हिस्सा मिलता है। उन्होंने बताया कि 16वें वित्त आयोग द्वारा 31 अक्टूबर, 2025 तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की उम्मीद है। उन्होंने नाबार्ड और एनसीआर योजना बोर्ड जैसी प्रमुख संस्थाओं की भूमिकाओं पर भी चर्चा की। गौरतलब है कि नाबार्ड कृषि और ग्रामीण विकास परियोजनाओं को गति देने का काम करता है। इसी तरह, एनसीआर योजना बोर्ड राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। मुख्य सचिव ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक राज्य विकास ऋण (एसडीएल) या राज्य सरकार की प्रतिभूतियों की सुविधा प्रदान करता है।

सीआईएसएफ का लक्ष्य राज्यों की अग्निशमन सेवाओं के साथ साझीदारी मजबूत करना: कमांटेंडेंट ललित पंवार

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा सिविल सचिवालय चंडीगढ़ की यूनिट में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने आज अपने राष्ट्रव्यापी अग्नि परीक्षण के तहत जवानों को अग्निशमन के उपकरणों के संचालन तथा आपदा के समय आग पर काबू पाने का प्रशिक्षण दिया। इस मौके पर यूनिट के कमांटेंडेंट श्री ललित पंवार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सीआईएसएफ केंद्रीय शस्त्र बलों में एक मात्र ऐसा बल है, जिसके पास समर्पित अग्निशमन विंग है। उन्होंने बताया कि इस विंग की स्थापना 2023 में की गई थी और देश के 100 शहरों के अग्निशमन कर्मियों को प्रशिक्षण की जिम्मेवारी भी सीआईएसएफ को दी गई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 तक सीआईएसएफ का लक्ष्य राज्यों की अग्निशमन सेवाओं के साथ अपनी साझीदारी को और अधिक मजबूत करना है।

के बी स्कॉलर्स स्कूल में आयोजित की गई इन हाउस ट्रेनिंग

संवाददाता
लाडवा

के बी स्कॉलर्स स्कूल, लाडवा में सीबीएसई के निर्देशन में वैल्यू एजुकेशन और नेशनल एजुकेशन पॉलिसी पर इन हाउस कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की शुरूआत सरस्वती माता के आगे दीप प्रज्वलित करके की गई। कार्यशाला में के बी स्कॉलर्स स्कूल और शहीद भगत सिंह स्कूल के सभी शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यशाला में 25 जून को सीबीएसई रिसोर्स पर्सन रजनी शर्मा द्वारा बड़े ही अच्छे और सुव्यवस्थित ढंग से वैल्यू एजुकेशन विषय पर प्रेजेंटेशन दी गई। शिक्षकों को बताया गया कि बच्चों के लिए जितनी शिक्षा जरूरी है उतनी नैतिक शिक्षा भी जरूरी है ।आजकल के बच्चों में मोरल वैल्यूज नहीं है और यह आज एक गंभीर विषय है। शिक्षकों को बताया गया कि बच्चों में नैतिकता कैसे बढ़ाई जाए और कैसे उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाया जाए ।इसके बाद प्रश्नोत्तरी और ग्रुप डिस्कशन हुआ जिसमें अध्यापकों ने बड़े ही उत्साह से भाग लिया। 26 जून को एनईपी में नई एजुकेशन पॉलिसी के बारे में बताया गया। आजकल बच्चों को रट्टे लगाने की नहीं बल्कि कॉन्सेप्ट क्लीयरिंग की जरूरत है ।और एनईपी में जो भी महत्वपूर्ण बदलाव किया गया उसके बारे में अध्यापकों को जागरुक किया गया। लाडवा की जानी-मानी शिक्षाविद और सुगनी देवी स्कूल की सेवानिवृत्त प्रधानाचार्या मीनाक्षी छाबड़ा द्वारा मोटिवेशनल स्पीच दी गई। उनके द्वारा बताया गया कि चाहे हम कोई भी व्यवसाय चुने , हमें अपना शत प्रतिशत देना होता है। उन्होंने आगे बताया कि शिक्षा का प्रोफेशन तो बहुत ही अच्छा है जिससे हम राष्ट्र के निमार्ता बनाते हैं ।कार्यशाला में शिक्षकों के लिए अलग-अलग अनेक रोचक गतिविधियां करवाई की जिसमें सब ने बड़े उत्साह से भाग लिया।

महिला शक्ति की महिमा को हमारी सरकार ने हमेशा सराहा और प्रोत्साहित किया : राजेश नागर

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर के कहा कि महिला शक्ति की महिमा को हमारी सरकार ने हमेशा से प्रोत्साहित किया है। हमने लाड़ली योजना और ड्रोन दीदी जैसी कई योजनाएं लागू की और पंचायत में महिला आरक्षण को साकार रूप दिया है। श्री नागर आज चंडीगढ़ में आयोजित इंडियन डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन (आईडीएसए) के हरियाणा, पंजाब, जम्मू - कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के क्षेत्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे।

इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी को सराहते हुए राज्य मंत्री ने कहा कि यहाँ मौजूद एक - एक महिला देश प्रदेश के विकास की एक मजबूत कड़ी है। श्री नागर ने कहा कि आंकड़ें बताते हैं कि भारत में डायरेक्ट सेलिंग का मार्किट अब 22 हजार करोड़ रुपए को पार कर चुका है। इस कारोबार से लगभग 88 लाख लोगों का जुड़ना दशार्ता है कि यह उद्योग उन्हें बिना किसी निवेश के रोजगार तथा आजीविका और आय के वैकल्पिक साधन उपलब्ध करवा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से डिग्री लेकर निकलने वाला युवा वर्ग भी इस कारोबार से जुड़ रहा है और इसे एक बेहतर कैरियर के तौर पर देखने लगा है जो कि सराहनीय है।

इस अवसर पर श्री नागर ने 50 से अधिक महिला उद्यमियों को डायरेक्ट सेलिंग क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया गया और उन्हें बधाई दी। श्री नागर ने डायरेक्ट सेलिंग कंपनियों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया जिसमें उत्पादों में नवाचार और नए उद्योगों की विविधता को प्रदर्शित किया गया।

राष्ट्रीय स्तर पर नगर निकायों के अध्यक्षों का होगा दो दिवसीय सम्मेलन

- लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला करेंगे सम्मेलन का उद्घाटन

संवाददाता
चंडीगढ़

गुरुग्राम के मानेसर स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (आईसीएटी) में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। 3 जुलाई तथा 4 जुलाई को शहरी स्थानीय निकायों की 'संवैधानिक लोकतंत्र और राष्ट्र निर्माण में भूमिका' विषय पर होने वाले सम्मेलन में राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्ष शिरकत करेंगे। दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के कर कमलों द्वारा किया जायेगा। इस दौरान स्पीकर हरविंद्र कल्याण, उत्तपल कुमार सिंह भी मौजूद रहेंगे। उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल भी शामिल होंगे। सम्मेलन का उद्देश्य शहरी प्रशासन को अधिक प्रभावी, समावेशी और नवाचारोन्मुख बनाना है, जिससे 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को साकार किया जा सके। सत्र के पहले दिन के कार्यक्रम में देश के प्रमुख नगरों- भुवनेश्वर, कोयंबटूर, इंदौर, लखनऊ, पुणे, सूरत और विशाखापट्टनम द्वारा अपनाई गई सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रणालियों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसके उपरांत पांच अलग-अलग उपविषयों पर कार्यशालाएं आयोजित होंगी, जिनमें लोकतंत्र की आधारशिला के रूप में शहरी स्थानीय निकाय की भूमिका, परिषद की बैठकों की आदर्श कार्य प्रणाली और आचार संहिता विकसित करना, समावेशी विकास के इंजन के रूप में स्थानीय निकायों की भूमिका, नगर पालिका शासन को अधिक प्रभावशाली बनाना, नवाचार के केंद्र, नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता और सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार, महिला सशक्तिकरण के वाहक और 21वीं सदी के भारत के निमार्ता के रूप में, समाज और राजनीति में महिलाओं को नेतृत्व के लिए तैयार करने संबंधी विषय शामिल है।

आयोजन

एमएसएमई क्षेत्र में मौजूद समस्याओं पर किया जाएगा मंथन

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर पानीपत में एमएसएमई टाउन हॉल का आयोजन

संवाददाता
पानीपत

भारतीय रिजर्व बैंक ने अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर एमएसएमई और उद्यमियों के लिए एक विशेष टाउन हॉल बैठक आयोजित की। इस कार्यक्रम में भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों , जिन्हें व्यापक रूप से देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, को मजबूत करने के लिए आरबीआई की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक, चंडीगढ़ के क्षेत्रीय निदेशक श्री विवेक श्रीवास्तव मुख्य अतिथि थे। टाउन हॉल में संबोधित हुए उन्होंने कहा कि आरबीआई ने प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल), सीजीटीएमएसई के तहत संपार्श्विक-मुक्त ऋण, क्रेडिट प्रस्ताव ट्रैकिंग प्रणाली पर दिशानिर्देश, विशेष एमएसएमई शाखाएं, पुनर्गठन आदि जैसी अपनी पहलों के माध्यम से एमएसएमई क्षेत्र के मामले में लगातार काम किया है, जिससे लाखों उद्यमियों को वित्त तक पहुंचने, अपने कारोबार को बढ़ाने और भारत के सकल घरेलू उत्पाद और निर्यात में योगदान करने में मदद मिली है। उन्होंने यह भी बताया कि कई नीतियों के अस्तित्व के बावजूद, एमएसएमई क्षेत्र में समस्याएं मौजूद हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि इस क्षेत्र के लिए शुरू की गई योजनाएं इच्छित प्राप्तकर्ताओं तक पहुँचें और उनका लाभ उठाएँ, जागरूकता बढ़ाना महत्वपूर्ण है।

इस कार्यक्रम में आरबीआई के महाप्रबंधक श्री पंकज सेतिया, एसबीआई, एचडीएफसी, पीएनबी, केनरा बैंक, पीएसबी, एसएचजीबी के वरिष्ठ अधिकारी तथा सिडबी, डीआईसी, एमएसएमई डीएफओ के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य प्रमुख हितधारक भी उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में सरकार और आरबीआई की पहलों जैसे मुद्रा, पीएमईजीपी, पीएम विश्वकर्मा, स्टैंड-अप इंडिया पर गहन चर्चा की गई। पंजाब एवं सिंध बैंक के महाप्रबंधक श्री संजय प्रकाश श्रीवास्तव ने उद्यमियों के लिए बैंक ऋण के संबंध में व्यावहारिक सत्र का संचालन किया। टाउन हॉल में महिला उद्यमियों और पहली बार ऋण लेने वालों पर विशेष ध्यान दिया गया तथा स्टैंड-अप इंडिया, महिला उद्यम निधि और डिजिटल ऑनबोर्डिंग प्लेटफॉर्म जैसी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। प्रतिभागियों ने प्रेरणादायक अनुभव साझा किया, जिसमें उद्यमियों ने अपनी परिवर्तनकारी यात्रा के बारे में बताया, जिससे श्रोतागण अत्यधिक प्रभावित और प्रेरित हुए।

इस कार्यक्रम में उद्यमियों द्वारा अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए समर्पित प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए, जबकि बैंकों ने विभिन्न वित्तीय योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सूचनात्मक काउंटर लगाए। बैंक अधिकारियों ने प्रतिभागियों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की, विलंबित भुगतान, संपार्श्विक-मुक्त ऋण, ऋण गारंटी योजनाओं और समय पर कार्यशील पूंजी तक पहुंच से संबंधित प्रश्नों का समाधान किया।

इसके अलावा, श्री विवेक श्रीवास्तव ने पानीपत में एमएसएमई हैंडलूम क्लस्टर का दौरा किया और क्लस्टर में उद्यमियों के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। उद्यमियों ने बताया कि कैसे मुद्रा और टीआरईडीएस जैसी योजनाओं ने उन्हें समय पर वित्त सुरक्षित करने, संचालन में सुधार करने और स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ाने में मदद की।

पानीपत की उद्योग और उद्यमिता की समृद्ध विरासत के साथ, यह कार्यक्रम आरबीआई के जमीनी स्तर पर जुड़ाव के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। कार्यक्रम का समापन उपस्थित उद्यमियों के बीच नई आत्मविश्वास की भावना और विषय के प्रति स्पष्टता के साथ हुआ।

संपादकीय

एक्जिऑम मिशन 4 के जरिए आम जीवन में आएगा बड़ा बदलाव

जी हां जैसे कैप्टन शुभांशु शुक्ला एक्जिऑम मिशन 4 के तहत अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में प्रवेश करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बनकर इतिहास रच चुके हैं और यह मिशन भारत के 2026 में प्रस्तावित गगनयान कार्यक्रम की अहम तैयारी है। वैसे ही अगले दो हफ्तों में शुक्ला और उनकी टीम, इस्रो द्वारा विकसित आठ वैज्ञानिक प्रयोगों को अंजाम देंगे, जो स्वास्थ्य, कृषि, सामग्री विज्ञान और तकनीक में आम जीवन को बदलने की क्षमता रखते हैं। आइये समझते हैं कि कैसे एक्जिऑम-4 प्रयोग भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान और अनुप्रयोग को बढ़ा सकते हैं। यह प्रयोग अंतरिक्ष यात्रा के दौरान फसल बीजों के अंकुरण और वृद्धि पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करता है, जो लंबे अंतरिक्ष अभियानों पर गये अंतरिक्षयात्रियों के लिये सतत खाद्य स्रोत उपलब्ध कराने हेतु अनिवार्य है। यह शोध अंतरिक्ष में प्रभावी रूप से खाद्य उत्पादन की प्रक्रिया को समझने में सहायक होगा। इस अध्ययन के निष्कर्षों का व्यापक उपयोग शहरी कृषि तथा इनडोर कृषि में हो सकता है, जिससे नगरों में संधारणीय खाद्य उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और शहरी आबादी को स्वयं अपना भोजन उगाने की प्रेरणा मिलेगी, जिससे बा' आपूर्ति पर निर्भरता घटेगी। सायनोबैक्टीरिया जीवन-समर्थन के लियेः सायनोबैक्टीरिया अंतरिक्ष यानों के जीवन-समर्थन प्रणालियों के विकास में अत्यंत उपयोगी हैं क्योंकि वे प्रकाश-संश्लेषण करने में सक्षम होते हैं। यह प्रयोग अंतरिक्ष में उनकी वृद्धि और जैव रासायनिक गतिविधि का अध्ययन करेगा, जिससे अंतरिक्ष में ऑक्सीजन और खाद्य उत्पादन के लिये बंद लूप प्रणाली के निर्माण में सहायता मिलेगी। इस प्रयोग से प्राप्त ज्ञान पृथ्वी पर पर्यावरण नियंत्रण प्रणालियों को बेहतर बनाने में सहायक हो सकता है, विशेषकर सतत भवन-डिजाइन, जल-शोधन और शहरी या पृथक क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में। सूक्ष्मशैवाल आहार, ईंधन और जीवन-समर्थन का एक संभावित संसाधन हैं। इस प्रयोग में यह अध्ययन किया जाएगा कि सूक्ष्मगुरुत्व सूक्ष्मशैवाल की वृद्धि और चयापचय को किस प्रकार प्रभावित करता है, जिसका उपयोग अंतरिक्ष मिशनों के लिये जैव-पुनयोर्जी जीवन समर्थन प्रणालियों में किया जा सकता है।सूक्ष्म शैवाल का उपयोग पृथ्वी पर पहले से ही जैव ईंधन, अपशिष्टप्रबंधन और पोषण संबंधी पूरकों के लिये किया जा रहा है।इस शोध से हरित ऊर्जा स्रोतों एवं सतत खाद्य विकल्पों की खोज हो सकती है, जो खाद्य उत्पादन और नवीकरणीय ऊर्जा के बारे में हमारी सोच में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं। यह अध्ययन सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में उत्पन्न होने वाली मांसपेशीय अक्षमता को समझने का प्रयास करता है, जो अंतरिक्ष यात्रियों में मांसपेशियों के क्षय का कारण बनती है।इसमें शामिल आणविक प्रक्रियाओं का अभिनिर्धारण कर, लंबी अंतरिक्ष यात्राओं के दौरान मांसपेशियों की हानि को रोकने के उपाय विकसित किये जा सकते हैं। इस शोध से पृथ्वी पर मांसपेशियों के क्षय से पीड़ित रोगियों, विशेष रूप से वृद्धजनों तथा मांसपेशीय दुर्विकास या दीर्घकालीन निष्क्रियता से जूझ रहे लोगों के लिये उपचार पद्धतियों में सुधार संभव हो सकेगा।यह प्रयोग यह जानने के लिये किया जायेगा कि माइक्रोग्रैविटी का प्रभाव इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले के प्रयोग से जुड़े संज्ञानात्मक तथा शारीरिक कार्यों पर क्या पड़ता है। इसका उद्देश्य अंतरिक्ष यान की प्रौद्योगिकी की बनावट तथा उसके उपयोग की प्रणाली को और अधिक उपयुक्त बनाना है। यह शोध पृथ्वी पर स्मार्ट उपकरणों, गेमिंग प्रणालियों तथा स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी तकनीकों में उपयोगकर्ता-अनुभव तथा उत्पादकता को बेहतर बनाने में सहायक हो सकता है, जिससे दैनिक जीवन की तकनीकों के लिये अधिक कार्यकुशल एवं तनाव-रहित डिजाइन तैयार हो सकेंगे।टार्डीग्रेड्स अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जीवित रहने के लिये प्रसिद्ध हैं। यह अध्ययन उनके अंतरिक्ष में जीवित रहने, पुनर्जीवन और प्रजनन की प्रक्रियाओं को समझने का प्रयास करेगा, जिससे इनकी अनुकूलन से जुड़ी आणविक क्रियाविधियों की पहचान की जा सके।इन तत्त्वों को समझने से पृथ्वी पर जैव-प्रौद्योगिकी तथा चिकित्सकीय अनुसंधान में प्रगति हो सकती है, विशेष रूप से जैव-संरक्षण, अत्यधिक वातावरण में सहनशीलता और संभवतः पुनरुत्पादक चिकित्सा के क्षेत्र में। यह सच है कि अंतरिक्ष अन्वेषण प्रगति से कई प्रमुख प्रौद्योगिकियाँ उभरी हैं जैसे स्वास्थ्य देखभाल नवाचार, संचार प्रणालियाँ, खाद्य संरक्षण, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, जल शोधन प्रणालियाँः, ऊर्जा समाधान और बैटरी नवाचार, सोलर पैनल मूलत, चिकित्सा इमेजिंग, आपदा प्रबंधन और प्रतिक्रिया, सुविधा एवं सहायक सामग्री में नवाचार आदि। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारत आगामी अंतरिक्ष मिशनों का व्यापक उपयोग कर सकता है। इसमें सतत विकास के लिये पृथ्वी अवलोकन का लाभ उठाना, स्वास्थ्य सेवा और जैव प्रौद्योगिकी का संवर्द्धन, नवीकरणीय ऊर्जा समाधान और जलवायु परिवर्तन शमन को आगे बढ़ाना, नेविगेशन और संचार प्रौद्योगिकियों में सुधार, संसाधन प्रबंधन के लिये चंद्र अन्वेषण का उपयोग, उन्नत अनुसंधान के लिये अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना आदि शामिल हैं। अंत में कह सकते हैं कि गगनयान कार्यक्रम, एन आई एस आर ए और चंद्रयान 3 सहित भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण मिशनों में स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरणीय संवहनीयता में वैश्विक प्रगति के लिये परिवर्तनकारी क्षमताएँ हैं। ये नवाचार न केवल अंतरिक्ष अनुसंधान में भारत की स्थिति को बढ़ाएँगे बल्कि पृथ्वी पर चुनौतियों के समाधान को भी बढ़ावा देंगे।

आज का राशिफल

मेषः आज आर्थिक दबाव थोड़े परेशान कर सकते हैं, खासकर पुराने ऋण को लेकर। समझदारी और धैर्य से स्थितियों को संभालें। अपनी गलतियों से सीखने की कोशिश करें और छोटी बातों को अनदेखा करें। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। जीवनसाथी से सराहना मिलेगी। दोस्तों के लिए उपहार लेने का मन बन सकता है।

वृषभः वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी और परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बनी रहेगी। धन को लेकर रिश्तों में तनाव न आने दें। नौकरी में बदलाव की संभावना है। कार्यस्थल पर आपकी लोकप्रियता में इजाफा होगा।

मिथुनः दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित रहेगी, लेकिन परिवार के साथ समय बिताने का प्रयास रंग लाएगा। आर्थिक मामलों में सावधानी जरूरी है। मार्केटिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को लाभ हो सकता है। प्रेम संबंधों में गलतफहमी से बचें। परोपकारी कार्यों में मन लगेगा।

कर्कः उत्साह और प्रेरणा बनी रहेगी। नई जानकारी और कौशल सीखने को मिल सकता है। आज के दिन फर्जी कॉल्स और धोखाधड़ी से सतर्क रहें। कार्यस्थल की राजनीति से दूर रहें। योजनाएं बनाने के लिए समय शुभ है।

सिंहः कार्यस्थल पर विवाद या बदनामी की आशंका है। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें–सिरदर्द और थकावट महसूस हो सकती है। नौकरी से संबंधित यात्रा संभव है। राजनीति से जुड़े लोगों को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। खरीदारी करते समय बजट का ध्यान रखें।

कन्याः शेयर बाजार में निवेश से लाभ मिल सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई में सजग रहेंगे। संतान से जुड़ी समस्याएं दूर होंगी। किस्मत साथ देगी और अचानक अच्छे अवसर मिल सकते हैं। निवेश के लिए आज का दिन शुभ है।

तुलाः आर्थिक मामलों में किसी पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें। अपनी क्षमताओं में सुधार करें। व्यापार में नई तकनीकों को अपनाने का मौका मिलेगा। नए संपर्क आपके करियर के लिए उपयोगी होंगे। नौकरी में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

वृश्चिकः विदेश यात्रा में आ रही बाधाएं दूर होंगी। विरोधियों की चालों से सतर्क रहें। मशीनों का इस्तेमाल करते वक्त सावधानी रखें। शाम को परिवार के साथ गंभीर विषयों पर चर्चा हो सकती है। जीवनसाथी की राय को नजरअंदाज न करें।

धनुः जीवनसाथी के साथ मतभेद हो सकते हैं। जोड़ों का दर्द परेशान कर सकता है। आज के दिन आलस्य से बचें और दिनचर्या में अनुशासन लाएं। नकारात्मक संगति से दूरी बनाएं। विरोधियों की गतिविधियों पर नजर रखें।

मकरः व्यवसाय में मुनाफे की संभावना है, लेकिन घरेलू खर्चों में बढ़ोतरी संभव है। दाम्पत्य जीवन में रोमांस का आनंद उठाएंगे। शत्रुओं पर हावी रहेंगे। विद्यार्थी करियर को लेकर उत्साहित रहेंगे और पढ़ाई में ध्यान देंगे।

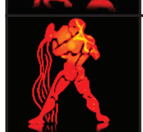
कुंभः कार्यस्थल पर आपके व्यवहार की सराहना होगी। पदोन्नति की संभावना बन रही है। आज के दिन आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा। परिवार के साथ खरीदारी का कार्यक्रम बन सकता है। नए प्रेम संबंध आरंभ हो सकते हैं।

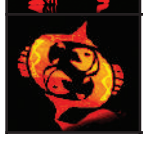
मीनः कार्यक्षेत्र में टीम के साथ तालमेल से सफलता मिलेगी। आज जरूरत से ज्यादा आदर्शवादी न बनें। आज आप सुविधाओं पर खर्च कर सकते हैं। मित्रों से बहस करने से बचें। व्यापार को लेकर कुछ चिंता रह सकती है।

मीडिया का गला घोटा गया

डॉ. आशीष वशिष्ठ (हि.स.)

पच्चीस जून, 1975 की वो तारीख जब आधी रात को देश में आपातकाल की घोषणा की गई। देश में आपातकाल लग चुका है इसका ऐलान खुद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने रेडियो पर किया। आपातकाल की घोषणा के दो दिन के भीतर ही राजनीतिक विरोधियों और आंदोलनकारियों की गतिविधियों पर तो पहरा बिठा ही दिया गया। इस अवधि के दौरान मानवाधिकारों के उल्लंघन की रिपोर्ट व्यापक रूप से प्रसारित और बहस की गई हैं, लेकिन इस अवधि का सबसे महत्वपूर्ण पहलू प्रेस पर सेंसरशिप थी। इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने मीडिया पर शिकंजा कसा और प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने के लिए सभी प्रयास किए।

उस दौरान लोगों तक सूचना पहुंचाने का एकमात्र स्रोत अखबार और रेडियो थे। आपातकाल स्वतंत्र प्रेस के लिए उस वक्त का कोरोना काल साबित हुआ। उस दौर में प्रमुख अखबारों के कार्यालय दिल्ली के जिस बहादुर शाह जफर मार्ग पर थे, वहां की बिजली काट दी गई। जो अखबार छप भी गए, उनके बंडल जब्त कर लिए गए। हॉकरों से अखबार छीन लिए गए। 28 जून 1975 को भारत में आपातकाल के दौरान सरकार विरोधी प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में केंद्र ने स्वतंत्रता के बाद मीडिया पर भी सबसे कठोर प्रेस सेंसरशिप लागू किया।

इस तरह की सेंसरशिप के खिलाफ सीमित ही सही, अपने-अपने ढंग से प्रतिरोध भी हुआ। सेंसरशिप के विरोध में 28 जून को इंडियन एक्सप्रेस, स्टेट्समैन और नई दुनिया जैसे अखबारों और हिम्मत पत्रिका ने सम्पादकीय की जगह पर ब्लैंक स्पेस (खाली जगह) छोड़ दिया। यह आपातकाल और सेंसरशिप के विरोध का ही एक तरीका था। बाद में सरकार ने पत्र-पत्रिकाओं में 'ब्लैंक स्पेस' छोड़ने पर भी पाबंदी लगा दी। एक अखबार ने सेंसरशिप की आंखों से बचकर शोक संदेश के कॉलम में छापा-'आजादी की मां और स्वतंत्रता की बेटी लोकतंत्र की 26 जून, 1975 को मृत्यु हो गई।'

आपातकाल से जुड़ी खबरें सामने न आने पाए, इसके लिए इंदिरा गांधी की सरकार ने कई तरह के उपाय किए। अखबारों के दफ्तरों की बिजली काटने के अलावा सरकार ने अखबारों और पत्रिकाओं को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने के लिए उनको मिलने वाले सरकारी विज्ञापनों पर रोक लगा दी। न्यूज पेपर के ऑफिस में अधिकारियों की तैनाती कर दी गई। उनकी बिना इजाजत राजनीतिक खबरों को छापने की मंजूरी नहीं थी।

आपातकाल के दौरान 3801 समाचार पत्रों के डिक्लेरेशन जब्त कर लिए गए। 327 पत्रकारों को मीसा में बंद कर दिया गया और 290 अखबारों के विज्ञापन बंद कर दिए गए। 50 से अधिक पत्रकारों और कैमरामैन की मान्यता रद्द कर दी गई। हालात इस कदर बिगड़े कि टाइम और गार्जियन अखबारों के समाचार-प्रतिनिधियों को भारत से जाने के लिए कह दिया गया। रॉयटर सहित अन्य एजेंसियों के टेलेक्स और टेलीफोन कनेक्शन काट दिए गए। सरकार के आदेश के मुताबिक काम करने से मना करने पर पत्रकारों को जेल भेजा जाने लगा। जिन पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया था उनमें मशहूर पत्रकार कुलदीप नैयर और केआर मलकानी शामिल थे। इसके अलावा महात्मा गांधी के पौत्र राजमोहन गांधी के नेतृत्व में निकलने वाली साप्ताहिक पत्रिका 'हिम्मत' को कुछ आपत्तिजनक खबरें प्रकाशित करने के आरोप में जुमार्ना लगाया गया था।

सरकार की ओर से प्रेस के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए। अफवाहों और आपत्तिजनक खबर को छापने की सख्त मनाही थी, जो सरकार के खिलाफ विपक्ष को भड़का सकता था। ऐसे सभी कार्टूनों, तस्वीरों और विज्ञापनों को पहले सेंसरशिप के लिए सौंपना पड़ता था, जो सेंसरशिप के दायरे में आते थे। अधिकारियों को न्यूज एजेंसियों के दफ्तरों में तैनात कर दिया गया था, ताकि ये आपत्तिजनक खबरों को उनके स्रोत पर ही दबा दें। विदेशी न्यूज एजेंसियों की आने वाली कॉपी को जांच की जाती थी। जब इंद्र कुमार गुजराल सरकार के मनोनुकूल मीडिया को नियंत्रित नहीं कर पाए तो आपातकाल के शुरूआती दिनों में उन्हें हटा कर विद्याचरण शुक्ल को नया सूचना एवं प्रसारण मंत्री बनाया गया। प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया को भंग कर दिया गया। इतना ही नहीं आयकर, बिजली, नगर पालिका के बकाये की आड़ में अखबारों पर छापे डाले गए। बैंकों को कर्ज देने से रोका गया।

इनसाइड स्टोरी ऑफ इमरजेंसी में वरिष्ठ पत्रकार कुलदीप नैयर लिखते हैं- ₹आपातकाल के दौरान दिल्ली के संपादकों की एक बैठक बुलाई और उन्हें कड़े शब्दों में कह दिया गया था कि सरकार कभी बकवास बर्दाश्त नहीं करेगी। यह सरकार रहेगी और राज करेगी।₹ किसी संपादकीय, लेख या कहीं और खाली जगह को भी विरोध माना जाएगा। बता दें यह तरीका अंग्रेजी राज में सेंसरशिप का विरोध करने के लिए भारतीय अखबार आमतौर पर अपनाते थे।

सेंसरशिप के कारण जेपी सहित अन्य कौन-कौन नेता कब गिरफ्तार हुए, उन्हें किन-किन जेलों में रखा गया, ये खबरें समाचार पत्रों को छापने नहीं दी गईं। यहां तक कि संसद एवं न्यायालय की कार्यवाही पर भी सेंसरशिप लागू थी। संसद में अगर किसी सदस्य ने आपातकाल, प्रधानमंत्री या सेंसरशिप के खिलाफ भाषण दिया तो वह कहीं नहीं छप सकता था। सीपीएम नेता नंबूदरीपाद ने इंदिरा गांधी को पत्र लिख कर कहा था कि आजादी के आंदोलन में भी अंग्रेजों ने विरोधी नेताओं के नाम और बयान छापने पर रोक नहीं लगाई थी। न्यायालय द्वारा सरकार के विरुद्ध दिए गए निर्णयों को भी छापने की मनाही थी। हालांकि आपातकाल की ज्यादतियों के समाचार को विदेशी अखबारों में छपने से सरकार रोक नहीं पा रही थी। इंदिरा जी विदेशी पत्रकारों पर काफी नाराज थीं। लोग विश्वसनीय समाचार के लिए आकाशवाणी के बजाय बीबीसी न्यूज पर भरोसा करने लगे थे। भारत में बीबीसी के प्रमुख संवाददाता मार्क टुली को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने के लिए बाध्य किया गया था। सरकार ने दि टाइम्स, लंदन, वाशिंगटन पोस्ट, लास एंजेलिस टाइम्स सहित सात विदेशी अखबारों के संवाददाताओं को भारत से निष्कासित कर दिया। दि इकोनॉमिस्ट और दि गार्जियन सहित कुछ अन्य विदेशी अखबारों के पत्रकार धमकियां मिलने के बाद स्वदेश लौट गए। 29 विदेशी पत्रकारों के भारत में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

आपातकाल के दौरान प्रेस की स्थिति को लेकर एक श्वेत पत्र पहली अगस्त 1977 को संसद में पेश किया गया। सत्या सी पेज के श्वेतपत्र से यह स्पष्ट हुआ कि आपातकाल के दौरान प्रेस की नीति खुद तानाशाह इंदिरा गांधी ने तय की थी। तानाशाही की इच्छा रखने वाली इंदिरा गांधी ने अपनी अध्यक्षता में तय किया था कि प्रेस काउंसिल को भंग कर दिया जाए और तत्कालीन चारों समाचार एजेंसियों को मिलाकर एक कर दिया जाए, जिससे उन्हें सेंसर करने और संभालने में आसानी होगी।

बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी ने लिखा है, "प्रेस पर ऐसे कठोर अंकुश लगाने का दुष्परिणाम यह हुआ कि इंदिरा गांधी जमीनी हकीकत से काफी दूर हो गईं। जनता के बड़े वर्ग में भीतर-भीतर ऐसा आक्रोश पनपा कि जब आपातकाल हटने के बाद मार्च 1977 में संसदीय चुनाव हुए, तब लगभग पूरे उत्तर भारत से कांग्रेस का सफाया हो गया। प्रेस की आजादी छीनने की कीमत इंदिरा गांधी को अपनी सत्ता गंवा कर चुकानी पड़ी थी।"

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

अंतरिक्ष में छलांग लगा कर भारत ने रचा इतिहास

राजेश माहेश्वरी

41 वर्षों बाद भारत ने फिर से अंतरिक्ष में एक ऐतिहासिक छलांग लगायी है, और इस बार यह गौरव उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बेटे, भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को प्राप्त हुआ है। भारत के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय हैं, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक पहुंचे हैं। अलबत्ता तत्कालीन विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं, जो अंतरिक्ष में मानव जीवन की संभावनाओं को टटोलने की एक अद्भुत और दुर्लभ यात्रा पर हैं। करीब चार दशकों बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में जा पाया है। अंतरिक्ष में छलांग लगा कर एक और इतिहास रचा गया है।

शुभांशु भारतीय वायुसेना में ग्रुप कैप्टन हैं और लड़ाकू विमान उड़ा चुके हैं। उन्हें 2000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है। अंतरिक्ष मिशन में भी वह पायलट की भूमिका में हैं। आसमान में विचरण करना उनका पेशा है, लेकिन इस बार उन्होंने आईएसएस में 14 दिन बिताने का बीड़ा उठाया है। यह प्रथम अवसर है, जब भारत सरकार की कैबिनेट ने प्रस्ताव पारित कर, तालियां बजा कर, शुभांशु की अंतरिक्ष यात्रा का स्वागत किया है, शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें 140 करोड़ (असल आबादी 146 करोड़ से अधिक) भारतीयों की 'उम्मीद' करार दिया है। जब राकेश शर्मा अप्रैल, 1984 में अंतरिक्ष में गए थे, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनसे पूछा था-ऊपर से भारत कैसा दिखता है? राकेश का जवाब था-'सारे जहां से अच्छा'।'

इस बार शुभांशु ने भारतीयों के नाम पहला ऑडियो संदेश भेजा-'क्या अद्भुत सफर है! हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं। मेरे कंधे पर तिरंगा मुझे बताता है कि मैं आप सभी के साथ हूं। यह भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन की शुरूआत है। आप सभी इस सफर का हिस्सा बनें। आपका सीना भी गर्व से चौड़ा होना चाहिए।ह्वजय हिन्द, जय भारत।' बेशक यह अभियान आईएसएस तक जाने की यात्रा भर नहीं है, बल्कि भारत के 'मानव अंतरिक्ष मिशन' का पूर्वाभ्यास है। भारत का 'गगनयान' 2027 में अंतरिक्ष में जाना प्रस्तावित है। भारत 2035 तक अपना 'अंतरिक्ष स्टेशन' बनाने की योजना पर कार्यरत है। 2040 तक चंद्रमा पर इंसान भेजने का लक्ष्य है।

मानव अंतरिक्ष मिशन में शुभांशु की इस यात्रा का अनुभव महत्वपूर्ण रहेगा। चूंकि 2030 तक आईएसएस सेवानिवृत्त होना लगभग तय है, लिहाजा निजी कंपनियां अपने अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने में जुटी हैं। जिस 'एक्सिओम-4' के तहत शुभांशु का चार सदस्यीय मिशन भेजा गया है, वह भी निजी कंपनी का प्रयास है। हालांकि इसरो, नासा आदि ने मिलकर मिशन को आकार दिया है। शुभांशु ने रूस में, इसरो और नासा के अंतरिक्ष केंद्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उसका 2019 में 'गगनयान' के लिए भी चयन हो चुका है। बहरहाल मिशन में शुभांशु भारतीय हैं, शेष तीन अंतरिक्ष यात्री अमेरिका, पोलैंड और हंगरी के निवासी हैं। अमेरिका की पैगी व्हिटसन अंतरिक्ष में 665 दिन गुजार चुकी हैं, लिहाजा उन्हें मिशन कमांडर बनाया गया है। भारतीय वायुसेना के जांबाज पायलट, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला मिशन पर अंतरिक्ष में पहुंच गए हैं और इस बार कुछ बेहद दिलचस्प चीजें अपने साथ ले गए हैं। क्या आप जानते हैं, उनके सामान में 6 फसलों के बीज, खास तरह की काई, यूरिया-नाइट्रेट और तो और गाजर का हलवा भी शामिल है? इतना ही नहीं, एक प्यारा सा सॉफ्ट टॉय 'जॉय' (हंस) भी उनके साथ गया है! यह सब कोई आम सामान नहीं है, बल्कि इनके पीछे बड़े वैज्ञानिक प्रयोग छिपे हैं। यह मिशन आईएसएस में कुल 60 वैज्ञानिक प्रयोग करेगा। उनमें से 7 प्रयोग भारत के लिए किए जाएंगे। उन प्रयोगों में प्रमुख हैं- मांसपेशियों की हानि का अध्ययन, मूंग और मेथी जैसे भारतीय सुपर फूड को माइक्रोग्रैविटी में उगाने का प्रयोग, माइक्रोएल्गी (सूक्ष्म शैवाल) की तीन प्रजातियों की वृद्धि, चपाचय और आनुवंशिक गतिविधियों का अध्ययन, अंतरिक्ष में सूक्ष्मजीवी के व्यवहार और वृद्धि का अध्ययन, अंतरिक्ष में कम्प्यूटर स्क्रीन के उपयोग के शारीरिक और संज्ञानात्मक प्रभावों का अध्ययन और मानव कोशिकाओं की उम्र बढने की प्रक्रिया का अध्ययन।

अंतरिक्ष यात्रा के मानव शरीर पर कई असर पड़ते हैं, क्योंकि वहां ग्रैविटी नहीं है। हृदय, पीठ के लिगामेंट्स, खड़े रहने या चलने में असमर्थता, हड्डियों और मांसपेशियों आदि पर प्रभाव पड़ते हैं, लिहाजा अंतरिक्ष में योग और व्यायाम अनिवार्य हैं। आईएसएस में ग्लूकोज और इंसुलिन पर भी विशेष अध्ययन किया जाएगा, जो भविष्य में मधुमेह के इलाज की दिशा बदल सकता है।

शुभांशु अंतरिक्ष में भारतीय संस्कृति और भावनाओं को भी साथ लेकर जा रहे हैं। उन्होंने एक साक्षात्कार में बताया कि वे अपने साथ अंतरिक्ष में आम रस, मूंग दाल और गाजर का हलवा ले जाएंगे और वहां योगाभ्यास भी करेंगे। इस तरह वह न केवल वैज्ञानिक बल्कि सांस्कृतिक राजदूत की भी भूमिका निभाएंगे। शुभांशु का कहना है, ह्लमैं केवल उपकरण या प्रयोग नहीं ले जा रहा, बल्कि एक अरब भारतीयों की उम्मीदें और सपने लेकर अंतरिक्ष जा रहा हूं।ह्व यह कथन ही यह बताने के लिए पर्याप्त है कि यह मिशन महज एक वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और आकांक्षाओं का विस्तार है। पिता शंभू दयाल शुक्ला का कहना था, यह बहुत कीमती पल है। बयां करना मुश्किल है। पहले वह हमारा बेटा था। आज पूरे देश का बेटा है। बार-बार मिशन निरस्त होने के बाद आज वह घड़ी आई, जब शुभांशु ने उड़ान भरी। आज सुबह ही बात हुई थी। उसने बताया कि पापा करके आता हूं, आप चिंता न करो। मैंने भी बोला, जाओ और सुरक्षित सफल होकर लौटो। मां आशा शुक्ला ने कहा, सुबह विडियो कॉल पर शुभांशु को दही पेड़ा खिलाया। आशीर्वाद दिया। इस पल का इंतजार बहुत समय से था। आज सच में खुशी का कोई ठिकाना नहीं है। बेटे ने हम लोगों को सेलिब्रिटी बना दिया। उसने सपने देखे और मेहनत भी की। यह उसी का नतीजा है। मां होने के नाते थोड़ा डर लगता है। फिर भी विश्वास है, वह सफल होकर लौटेगा।

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से शुभांशु शुक्ला ने देशवासियों के लिए मैसेज भेजा है। उन्होंने कहा कि मेरे प्यारे देशवासियों... मैं यहां पर पहुंच चुका हूं। यहां पर खड़े रहना मुश्किल है... सर थोड़ा भारी हो रहा है लेकिन आप सबकी शुभकामनाएं साथ हैं। चक्कर आ रहा है, लेकिन अगले 14 दिनों के लिए उत्साहित हूं। इस ऐतिहासिक उड़ान के साथ शुभांशु शुक्ला न केवल भारत के अंतरिक्ष इतिहास में अपना नाम दर्ज कराएंगे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए नए रास्ते खोलेंगे। भारत, अंतरिक्ष में एक नए युग में प्रवेश कर रहा है – और उसका चेहरा हैं शुभांशु शुक्ला। बेशक शुभांशु मानवता के कल्याण की यात्रा पर हैं। वह और उनके साथियों का यह सफर सुखद रहे, ऐसी कामना है। यह मिशन न सिर्फ भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि भविष्य की अंतरिक्ष यात्राओं के लिए भी नई राहें खोलेगा। शुभांशु का यह सफर भारत को सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में भी और आगे बढ़ाएगा।

लेखक राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।

युद्ध दो देशों में संघर्ष ही नहीं पारिस्थितिकी तंत्र पर भी ड़ालता है असर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

युद्ध केवल जन-धन हानि तक ही सीमित नहीं रहकर इसके साईड इफेक्ट जन-धन हानि से भी अति गंभीर होते हैं। युद्ध के चलते जिस तरह के गोला-बारुद और केमिकल युक्त बम, मिसाइलें और ना जाने क्या क्या का उपयोग होता है जो प्रकृति पर दूरगामी नकारात्मक असर छोड़ते हैं। आज भले ही इजरायल-ईरान युद्ध के बीच युद्धविराम हो गया हो और भारत पाक युद्धविराम की तरह इसका श्रेय भी डोनाल्ड ट्रम्प ले रहे हो पर युद्ध के दूरगामी दुष्परिणामों से आने वाली पीढ़ी और प्रकृति किसी को माफ करने वाली नहीं है। हालांकि इजरायल-युद्ध में दोनों देशों द्वारा ही अपनी अपनी जीत के दावें किये जा रहे हैं पर यह नहीं भूलना चाहिए कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता तो दूसरी और आज के समय में युद्ध किसी निर्णायक स्तर पर पहुंच ही जाये यह भी कहा जाना बेमानी होगा। इजरायल-ईरान युद्ध से पहले इजरायल-हमास युद्ध, भारत पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिन्दूर और लंबे समय से लगातार चला आ रहा रुस-यूक्रेन युद्ध हमारे सामने हैं। आज चल रहे इन युद्धों में से किसी को भी निर्णायक स्तर पर पहुंचते हुए नहीं देखा जा सकता और आज के समय के इन युद्धों को निर्णायक स्तर पर ले जाने की बात करना भी बुद्धिमानी नहीं मानी जा सकती। आज का युद्ध कोई बच्चों का खेल नहीं है। यूक्रेन जैसा छोटा सा देश रुस जैसे बिग गन का पूरे साहस के साथ मुकाबला कर रहा है। देखा जाए तो आज दुनिया के हालात अच्छे नहीं कहे जा सकते। एक और युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं तो दूसरी और दुनिया के देश आंतकवादी गतिविधियों से दोचार हो रहे हैं। बांग्लादेश का तक्ता पलट हमारे सामने है तो पाकिस्तान में औपचारिक रुप से सेना द्वारा सत्ता पर काबिज होने के समाचार देर सबेर आने ही है। अमेरिका में दूसरे देशों से शरणार्थी के रुप में आये लोग आये दिन नाक में दम कर रहे हैं। योरोपीय देश खासतौर से फ्रांस इसका भुक्तभोगी रह चुका है। देखा जाए तो दुनिया के अधिकांश देश अशांति के हालात से दो चार हो रहे हैं।

युद्ध चाहे आज के जमाने का हो या पुराने जमाने का अपने निशान धरती पर लंबे समय तक के लिए छोड़. जाते हैं। यह कहना कि युद्ध इतिहास की बात रह जाता है, गलत होगा। यह विश्लेषण में युक्तिसंगत नहीं कहा जा सकता कि युद्ध के दौरान अमुख देश के इतने करोड़ रुपए प्रतिदिन खर्च हो रहे थे या युद्ध के कारण जनहानि के साथ ही करोड़ों की संपत्ति और युद्ध सामग्री का नष्ट होना भी एक बात है। इसके साथ ही युद्ध में प्रयुक्त सामग्री खासतौर से युद्ध आयुधों के प्रयोग के कारण प्रकृति पर कितना प्रतिकूल असर पड़ता है वह अकल्पनिय होता है। हालिया युद्धों में किस तरह से मिसाईलों का इस्तेमाल किया गया है और दूसरी और उन्हें नष्ट करने के प्रयास हुए हैं। इससे केवल क्षेत्र विशेष ही नहीं अपितु वायु मण्डल, पारिस्थिति तंत्र सहित प्रकृति पर गंभीर दूरगामी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। बम, गोलाबारी, धुंआ, रासायनिक तत्वों के उपयोग से ग्रीन हाउस गैसों में बढ़ोतरी हुई है। ग्लोबल वार्मिंग पर इसका सीधा सीधा असर पड़ेगा। यह तो वायु मण्डल के प्रदूषित होने और ग्लोबल वार्मिंग की बात है दूसरी तरफ रासायनिक बमों के अवशेष और युद्ध के कारण बारुदी सुरंगों या बारुद आदि सामग्री के उपयोग के कारण भूजल, मिट्टी आदि भी प्रदूषित होती है और पानी के प्रदूषित होने और मिट्टी की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है। इसके साथ ही जल, थल और नभ तीनों ही स्थानों पर जैव विविधता प्रभावित होती है। वन्य जीवों के साथ ही पशु-पक्षियों सहित अन्य प्रजातियों की विलुप्ति सहित अनेक दुष्प्रभाव सामने आते हैं। युद्ध के कारण जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग से प्रदूषण के साथ ही प्राकृतिक संसाधनों पर विपरीत प्रभाव आता है। पारिस्थितिकी तंत्र के प्रभावित होने के साथ ही युद्ध के कारण जिस तरह से जन-धन हानि और प्रकृति पर विपरीत प्रभाव के साथ ही युद्ध के कारण संसाधनों के नष्ट होने, उन्हें वापिस दुरुस्त करने, आधारभूत संरचना विकसित करने और कुछ कार्य तत्काल दुरुस्त करने के होते हैं तो कुछ सुधार कार्यों में लंबा समय लगना होता है। इस तरह से युद्ध के कारण केवल दो देशों के बीच तात्कालीक संघर्ष और संघर्ष विराम मात्र नहीं होता और युद्ध का असर केवल जन-धन हानि तक ही सीमित नहीं होता यहां तक कि युद्ध का असर युद्धरत देशों तक ही नहीं होता अपितु युद्ध के कारण प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से अधिकांश देश प्रभावित होते हैं और प्राकृतिक संसाधनों पर सीधा असर पड़ता है। आज जिस तरह से विश्व गांव की बात की जाती है ग्लोबल की बात की जाती तो है यह साफ है कि युद्ध केवल युद्धरत देशों ही नहीं अपितु समूचे विश्व को युद्ध की आंच से दो चार होना पड़ता है। ऐसे में साम्राज्यवादी सोच और अहम्‌ को त्याग कर उसके स्थान पर आपसी समझ और बातचीत से ही समस्या का समाधान महत्वपूर्ण हो जाता है।

शिक्षा क्षेत्र को गति देने के लिए लीक से हटकर कदम उठा रहे हैं: भगवंत मान

नीट परीक्षा पास करने वाले सरकारी स्कूलों के छात्रों को किया सम्मानित, शिक्षा को सभी समस्याओं की एकमात्र दवा बताया

संवाददाता

चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि राज्य सरकार पंजाब में शिक्षा क्षेत्र को प्रगति देने के लिए लीक से हटकर कदम उठा रही है। नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सरकारी स्कूलों के छात्रों को सम्मानित करने के लिए आयोजित समारोह में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में शिक्षा क्षेत्र में अनुकरणीय बदलाव देखने को मिले हैं। उन्होंने कहा कि इन क्रांतिकारी कदमों से शिक्षा क्षेत्र को नई ऊर्जा मिली है, जिसके चलते आज पंजाब के छात्र प्रत्येक क्षेत्र में सफलता के झंडे गाड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है, क्योंकि पंजाब के 509 सरकारी स्कूलों के छात्रों ने प्रतिष्ठित नीट परीक्षा में सफलता प्राप्त की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा, उद्योग, खेल, रोजगार और नशा उन्मूलन, राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब के इतिहास में पहली बार राज्य सरकार ने 'युद्ध नशों विरुद्ध' के रूप में एक व्यापक जन आंदोलन शुरू किया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि नशा तस्करी में शामिल दोषियों को सख्ती से सलाखों के पीछे डाला जा रहा है और नशे की जड़ों को उखाड़ फेंकने के लिए सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन छात्रों ने अपनी कड़ी मेहनत और संघर्ष से यह सफलता हासिल की है और अब यह छात्र पूरे समाज के लिए एक प्रेरणा बनेंगे। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों द्वारा 70 वर्षों से फैलाई गई अव्यवस्थाओं को सुधारने के लिए मौजूदा सरकार ने अपने पहले दिन से ही काम शुरू कर दिया था। मुख्यमंत्री ने अफसोस जताते हुए कहा कि पिछली सरकारों की लापरवाही के कारण राज्य के अनेक युवाओं की आयु सरकारी नौकरियों के लिए निर्धारित सीमा से पार हो गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सरकारी स्कूलों के माध्यम से माता-पिता के सपने साकार हो रहे हैं, जो अब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि जहाँ राजनीतिक नेताओं के लिए चुनाव लड़ने की कोई आयु सीमा नहीं है, वहीं सरकारी नौकरियों के लिए आयु सीमा निर्धारित है।मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ स्थित उस भवन का भी विशेष उल्लेख किया, जहाँ यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि यह भवन हजारों युवाओं को सरकारी नियुक्ति पत्रों का साक्षी बना है, इसलिए इसे 'नियुक्ति पत्र भवन' कहा जा सकता है। उन्होंने गर्व से कहा कि पंजाब सरकार अब तक 54,000 से अधिक युवाओं को मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरियाँ प्रदान कर चुकी है।यह राज्य के लिए शुभ संकेत है कि अब पंजाब प्रवासी युवाओं की वापसी का साक्षी बन रहा है, क्योंकि अब सरकारी नौकरियाँ उपलब्ध होने के कारण युवा विदेशों से लौट रहे हैं। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि पूरी भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष रही है, जिससे अब युवाओं का राज्य सरकार पर विश्वास बढ़ा है और वे विदेश जाने की सोच छोड़कर सरकारी नौकरियों की तैयारी में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि मेहनती और संघर्षशील पंजाबी हर स्तर पर अग्रणी रहे हैं और पंजाब के पास उपजाऊ भूमि और साहसी लोगों की संपत्ति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों की उपेक्षा के कारण कई होशियार युवा विदेशों में जा बसे। लेकिन मौजूदा सरकार द्वारा परिस्थितियाँ बदलने के साथ ही अब बड़ी संख्या में छात्र सरकारी नौकरियों में शामिल होकर राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास का अभिन्न हिस्सा बन रहे हैं।उन्होंने कहा कि पंजाब को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी और सहयोग अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सकारात्मक बदलाव के तहत अब सरकारी स्कूलों में भी माता-पिता शिक्षक मीटिंग्स (पी.टी.एम.) का आयोजन किया जा रहा है, जो पहले केवल निजी स्कूलों तक ही सीमित थीं। उन्होंने कहा कि यह एक बेहतरीन पहल है, जिसके माध्यम से माता-पिता और शिक्षकों के बीच विद्यार्थियों की पढ़ाई को लेकर बेहतर तालमेल स्थापित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पंजाब में शिक्षा क्रांति की शुरूआत की है और इसे और अधिक गति देने के लिए कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि एक अन्य महत्वपूर्ण कदम के तहत राज्य सरकार ने जनता के लिए आधुनिक पुस्तकालयों की स्थापना भी शुरू की है, ताकि छात्रों में पढ़ने की रुचि बढ़े।उन्होंने कहा कि इन पुस्तकालयों को वाई-फाई, सोलर पावर, डिजिटल एनालॉग और अन्य अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। उन्होंने बताया कि इन पुस्तकालयों में विश्व स्तर की साहित्यिक पुस्तकों के साथ-साथ पाठ्यक्रम संबंधी पुस्तकें भी उपलब्ध हैं, जो छात्रों के सीखने के अनुभव को और बेहतर बना रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन पुस्तकालयों में दुर्लभ और अनमोल पुस्तकों का भंडार है, जो पुस्तक प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और जनता के जीवन स्तर को सुधारने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में मिसाल कायम करने वाले कदम उठाए हैं।उन्होंने कहा कि गरीबी या अन्य सामाजिक बुराइयों का समाधान रियायतें या मुफ्त सुविधाएँ नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से ही संभव है। केवल शिक्षा ही लोगों को दलदल से निकाल कर सशक्त बना सकती है।

युद्ध नशों विरुद्ध का 118वां दिन: 710 ग्राम हेरोइन, 1 किलो अफीम, 1.2 लाख ड्रग मनी सहित 125 नशा तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

चंडीगढ़

- डी-एडिक्शन के तहत, पंजाब पुलिस ने 78 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने के इलाज के लिए किया तैयार

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार, राज्य से नशीले पदार्थों के संपूर्ण खात्मे के लिए चलाई जा रही मुहिम युद्ध नशों विरुद्ध के 118वें दिन भी पंजाब पुलिस ने लगातार अभियान जारी रखते हुए आज 125 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 710 ग्राम हेरोइन, 1 किलो अफीम और 1.22 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की। अब तक इस मुहिम के 118 दिनों में गिरफ्तार नशा तस्करों की कुल संख्या 19,473 हो चुकी है।

यह राज्यव्यापी ऑपरेशन पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डी जी पी) गौरव यादव के निदेर्शानुसार प्रदेश के सभी 28 पुलिस जिलों में एक साथ चलाया गया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए विशेष रूप से निर्देशित किया है।पंजाब सरकार ने इस अभियान की उच्च स्तरीय निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का भी गठन किया है।

स्पेशल डीजीपी कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि 96 गैजेटेड अधिकारियों की निगरानी में 1400 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 200 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 488 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके तहत कुल 84 एफआईआर दर्ज की गईं।

आम घर-परिवारों से संबंधित विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा पास करने में दी गई सहायता के लिए सीएम का किया धन्यवाद

संवाददाता

चंडीगढ़

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले साधारण परिवारों से जुड़े विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा पास करने के लिए उन्हें आवश्यक लॉजिस्टिक और बुनियादी सहायता प्रदान करने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का हृदय से धन्यवाद किया।

यहाँ म्युनिसिपल भवन में मुख्यमंत्री से बातचीत करते हुए फाजिल्का से गुरशरण सोढ़ी ने कहा कि वह राज्य सरकार के सहयोग से जे ई ई एडवांस्ड और नीट दोनों परीक्षाओं में सफल हो सके हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकारी स्कूलों को लेकर बनी हुई नकारात्मक धारणाएँ तेजी से बदल रही हैं क्योंकि सरकार ने इन स्कूलों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस कर शिक्षा का स्वरूप ही बदल दिया है। अमृतसर से एक सेल्समैन की बेटी तमनप्रीत कौर ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि उसका परिवार आगे की पढ़ाई का खर्च वहन नहीं कर सकता था लेकिन सरकारी स्कूलों में दी जा रही उच्च स्तरीय शिक्षा ने उसके सपनों को साकार कर दिखाया। तमनप्रीत ने बताया कि उसने यह परीक्षा बिना किसी कोचिंग के पास की है।पठानकोट से कामिनी शर्मा ने भी परीक्षा पास करने योग्य बनने में मिली सहायता के लिए मुख्यमंत्री की सराहना की। कामिनी ने कहा कि वह पहले भी ऐसे कार्यक्रमों में शामिल हो चुकी है, लेकिन आज उसे सीधे मुख्यमंत्री से बात करने का अवसर मिला है।

लुधियाना से अनीशा ने कहा कि उसने यह परीक्षा बिना किसी कोचिंग के पास की है और साथ ही वह अपने परिवार के लिए दो वक्त की रोटी कमाने हेतु एक दुकान पर भी काम कर रही है। उसने सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री का दिल से धन्यवाद किया।

अमृतसर से जैना पाहवा ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर उनके सपनों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उसने राज्य में एम बी बी एस की सीटें बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप करने की मांग भी की।

पट्टी से सिमरनप्रीत कौर ने प्रदेश में स्कूल ऑफ एमिनेंस खोलने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया, जो प्रदेश की शिक्षा क्रांति में अग्रणी भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। उसने कहा कि हम खुशकिस्मत हैं कि हमें ऐसा मुख्यमंत्री मिला है जो विद्यार्थियों और उनके माता-पिता के सपनों को साकार करने में हरसंभव सहायता कर रहे हैं।

हर साल 2.2 लाख नए मरीज क्रोनिक किडनी फेलियर का शिकार होते हैं: डॉ. प्रियदर्शी रंजन

संवाददाता

चंडीगढ़

पार्क हॉस्पिटल मोहाली ने शुक्रवार को एडवांस रोबोटिक किडनी ट्रांसप्लांट की शुरूआत की घोषणा की।पार्क हॉस्पिटल मोहाली में रोबोटिक यूरोलॉजी और रीनल ट्रांसप्लांट के डायरेक्टर डॉ. प्रियदर्शी रंजन ने आज यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, रोबोटिक ट्रांसप्लांट के अलावा, हम सभी प्रकार के लिविंग डोनर ट्रांसप्लांट कर रहे हैं, जिसमें हाई रिस्क ट्रांसप्लांट, पीडियाट्रिक ट्रांसप्लांट स्वैप केस, एबीओ असंगत ट्रांसप्लांट (गैर-ब्लड ग्रुप विशिष्ट) और रीडू ट्रांसप्लांट शामिल हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हमारे देश में हर साल 2.2 लाख नए मरीज क्रोनिक किडनी फेलियर का शिकार होते हैं और यह मृत्यु का छठा सबसे तेजी से बढ़ता कारण भी है, जो 2040 तक पांचवां प्रमुख कारण बन सकता है। उन्होंने बताया कि भारत में किडनी फेलियर के मुख्य कारण हाई बीपी, डायबिटीज, बीपीएच, अनुपचारित किडनी स्टोन और यूटीआई हैं।

डायरेक्टर नेफ्रोलॉजी डॉ. मुकेश गोयल ने कहा, पिछले एक दशक में क्रोनिक किडनी फेलियर रोग का प्रसार लगभग दोगुना हो गया है, और उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा, तनाव और अस्वास्थ्यकर खान-पान जैसे जोखिम कारकों में वृद्धि के कारण इसके और बढ़ने की उम्मीद है।कंसल्टेंट यूरोलॉजी और रीनल ट्रांसप्लांट डॉ. मानव गोयल, ने कहा कि भारत में हर 10 मिनट में अंग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा सूची में एक व्यक्ति जुड़ जाता है और हर दिन 20 लोग अंग की कमी के कारण मर जाते हैं।

कंसल्टेंट नेफ्रोलॉजी डॉ. कल्पेश सतापारा ने कहा कि अंगदान करके, एक मृत दाता व्यक्ति अंगदान के माध्यम से 8 व्यक्तियों की जान बचा सकता है और ऊतक दान के माध्यम से 50 से अधिक लोगों के जीवन को बेहतर बना सकता है।नॉर्थ पार्क हॉस्पिटल्स के ग्रुप सीईओ आशीष चड्ढा ने कहा, हमारे अस्पताल में अत्याधुनिक 14 बिस्तरों वाला डायलिसिस सेंटर है और हम इंटरवेंशन नेफ्रोलॉजी सेवाओं सहित 24 ७ 7 डायलिसिस सेवाएं प्रदान करते हैं। पार्क हॉस्पिटल मोहाली अब ईसीएचएस, सीजीएचएस, ईएसआई, सीएपीएफ हरियाणा और हिमाचल सरकार और सभी प्रमुख टीपीए और कॉरपोरेट्स के साथ सूचीबद्ध है।

पंजाब सरकार का संकल्प - शहरी निवासियों को विश्वस्तरीय नागरिक सुविधाएं प्रदान करना: डॉ. रवजोत सिंह

संवाददाता

चंडीगढ़

मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार शहरी निवासियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इसी दिशा में पंजाब के शहरों के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।यह विचार पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने यहां वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों और जिला एस.ए.एस. नगर (मोहाली) के अधिकारियों तथा कार्यकारी अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने पंजाब के शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प लेते हुए कहा कि एस.ए.एस. नगर (मोहाली) की शहरी स्थानीय इकाइयों – नगर परिषद खरड़, डेराबस्सी, राजपुरा, बनूड, जीरकपुर, लालड़ू, नवा गांव, घडूआं और कुराली को स्वच्छ और सुंदर बनाया जाएगा।विभागीय अधिकारियों को शहरी विकास के कार्यों को योजनाबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश देते हुए मंत्री ने कहा कि मोहाली की शहरी स्थानीय इकाइयों में लैंडस्केपिंग, सड़कों का विकास, मोहाली शहर के अधीन आने वाले गांवों का सौंदर्यीकरण, शहरी नागरिकों की सुविधा संबंधी कार्य, और शहरों में बनाई जा रही इमारतों का निर्माण सुरक्षा मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाएगा। डॉ. रवजोत सिंह ने प्रगति अधीन विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी लेने के बाद कहा कि ये विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि शहरी नागरिक सुविधाएं पंजाब सरकार की प्राथमिकता हैं और इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संक्षिप्त-समाचार

पंजाब में बब्बर खालसा के तीन गुर्गे पकड़े गए, हैंड ग्रेनेड, पिस्तौल, विस्फोटक मिले

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल मोहाली ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी नेटवर्क का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए अमृतसर ग्रामीण के रामदास निवासी सहजपाल सिंह और विक्रमजीत सिंह का मॉड्यूल यूके में बैठे निशान सिंह और पाकिस्तान में छिपे आतंकी हरविंदर रिंदा द्वारा चलाया जा रहा था। पुलिस ने इनके पास से दो हैंड ग्रेनेड, 1 ग्लॉक पिस्तौल, और अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद की है। पकड़े गए संदिग्ध अमृतसर में पुलिस ठिकानों पर हमला और टारगेट किलिंग की योजना बना रहे थे। पुलिस का दावा है कि इनकी गिरफ्तारी से एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किया गया एक आरोपित नाबालिग है। इस संबंध में स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल के मोहाली स्थित थाने में बीएनएस और विस्फोटक अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। मामले की जांच चल रही है। जल्दी ही इस मामले में कई और खुलासे होंगे।

तरनतारन से आम आदमी पार्टी के विधायक सोहल का निधन

चंडीगढ़। पंजाब के तरनतारन विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के विधायक डॉ. कश्मीर सिंह सोहल का शुक्रवार को निधन हो गया। सोहल पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। गुरुवार को उन्हें अमृतसर के एक निजी अस्पताल में शिफ्ट किया गया था, जहां आज उनका निधन हो गया। कश्मीर सिंह सोहल ने वर्ष 2022 में हुए विधानसभा के दौरान अकाली दल के हरमीत सिंह संधू को 13 हजार से अधिक वोटों से हराया था। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोहल के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह आम आदमी पार्टी के संघर्षशील तथा जुझारू नेता थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि परमात्मा दिवंगत की आत्मा को शांति प्रदान करे और परिवार को यह दुख सहने का बल प्रदान करे। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा तथा अन्य कई कैबिनेट मंत्रियों ने भी सोहल के निधन पर शोक जताया है।

पंजाब में गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया की मां और सहयोगी की हत्या

चंडीगढ़। पंजाब के गुरदासपुर में हथियारबंद युवकों ने बीती रात गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया की मां हरजीत कौर और उसके सहयोगी नौजवान करणवीर सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या की जिम्मेदारी बंबीहा गैंग ने ली है। करणवीर के पिता पंजाब पुलिस में थानेदार हैं। पुलिस हत्याकांड का नतीजा गैंगवार मान रही है। पिछले दिनों लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ गुट में हुए विवाद के बाद यह पहला गैंगस्टर हत्याकांड है। पुलिस के अनुसार, हरजीत कौर किसी काम से करणवीर सिंह के साथ जा रही थीं। उनकी गाड़ी अर्बन स्टेट में कादियां चुंगी के पास पहुंची ही थी कि घात लगाकर बैठे हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। हरजीत कौर और करणवीर सिंह की मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने गुरदासपुर जिले को सील करके जांच शुरू कर दी है। आज सुबह घटना की जिम्मेदारी हरियाणा के दो कुख्यात गैंगस्टर प्रभु दासुवाल और कौशल चौधरी ने सोशल मीडिया पर ली है। दोनों बंबीहा गैंग के लिए काम करते हैं।

स्टारबक्स इंडिया के स्मूद एंड मेलो ब्लॉन्ड एसप्रेसो रोस्ट के साथ कॉफी को दीजिए पसंदीदा फ्लेवर

चंडीगढ़। स्टारबक्स इंडिया ने वैश्विक स्तर पर अपने लोकप्रिय ब्लॉन्ड एसप्रेसो रोस्ट के साथ भारत के कॉफी के दीवानों को एक ब्लॉन्ड टर्न लेने का मौका दिया है। इस स्मूद एवं वाइब्रेंट ब्लॉन्ड रोस्ट को भारत में स्टारबक्स के सभी स्टोर पर उपलब्ध कराया गया है। इस खास कस्टमाइजेशन के लिए ग्राहकों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। यह ब्लॉन्ड रोस्ट कॉफी पर्सनलाइजेशन एवं फ्लेवर इनोवेशन के मामले में स्टारबक्स की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। साइट्रसी नोट्स के साथ लाइट रोस्ट और स्मूद कॉफी पसंद करने वालों के लिए खास तौर पर तैयार ब्लॉन्ड एसप्रेसो रोस्ट से कंपनी के सिग्नेचर एसप्रेसो रोस्ट को एक लाइट ट्विस्ट मिलेगा। लैटिन अमेरिका और पूर्वी अफ्रीका से लाए गए 100 प्रतिशत एरेबिका बीन से तैयार स्टारबक्स ब्लॉन्ड एसप्रेसो को हल्का रोस्ट किया गया है, जिससे इसकी मेलो बॉडी, स्मूद फिनिश और डेलिकेट फ्लेवर प्रोफाइल को नई पहचान मिलती है। इसका लाइटर रोस्ट इसे दूध वाले और आइस्ड बेवरेज के लिए पहली पसंद बना देता है। इससे क्लासिक कैपेचिनो, अमेरिकानोज, फ्लैट व्हाइट्स और आइस्ड लैटे को खास और बैलेंस्ड टच मिलता है। यह प्लांट बेस्ड ऑप्शन जैसे ओट्स और बादाम मिल्क के साथ बहुत शानदार तरीके से मिल जाता है और उनकी प्राकृतिक मिठास को और बढ़ा देता है। हॉट या आइस्ड, हर मामले में ब्लॉन्ड रोस्ट से ग्राहक अपनी पसंदीदा कॉफी कस्टमाइज कर सकेंगे। टाटा स्टारबक्स के सीईओ सुशांत दास ने कहा कि भारत में कॉफी कल्चर बदल रहा है। अब यह सिर्फ कॉफी पीने की बात नहीं है, बल्कि अपने कॉफी एक्सपीरियंस को नई पहचान देने की भी बात है। ब्लॉन्ड रोस्ट के साथ ग्राहक नए फ्लेवर प्रोफाइल को आजमा सकेंगे और बिना किसी मुश्किल के आसानी से अपने कप को पर्सनलाइज कर सकेंगे। हम ग्राहकों को अपनी कॉफी को अपनी पसंद के हिसाब से तैयार करने की आजादी देना चाहते हैं। यह सिर्फ स्वाद की बात नहीं है, यह आजादी, खुद से जुड़ने और कॉफी से गहरा नाता बनाने की बात भी है। यह भारत में तेजी से बदलती कॉफी की दुनिया का नया अध्याय है, जहां हर कप आपकी पहचान बताएगा।

समझौता

अनुसंधान और कौशल विकास को मिलेगी नई गति

आईआईटी रोपड़ ने एचआरआईटीयूनिवर्सिट, गाजियाबाद के साथ मिलकर 13वीं साइबर-फिजिकल सिस्टम लैब का उद्घाटन किया

संवाददाता

रोपड़

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार के मिशन द्वारा समर्थित अपनी 13वीं साइबर-फिजिकल सिस्टम्स लैब का उद्घाटन एचआरआईटी यूनिवर्सिटी, गाजियाबाद में किया। यह कार्यक्रम शैक्षणिक संस्थानों में उन्नत अनुसंधान और उढर प्रौद्योगिकियों के वास्तविक अनुप्रयोगों की पहुंच को विस्तारित करने के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदारी की दिशा में प्रमुख कदम था।

कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री सुनील शर्मा ने अपनी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। अपने संबोधन में उन्होंने आईआईटी रोपड़ और एचआरआईटी यूनिवर्सिटी के इस संयुक्त प्रयास की सराहना की, जो भारत के डिजिटल और नवाचार परिदृश्य को सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है।एचआरआईटी यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. अनिल अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया और उभरती तकनीकों के साथ छात्रों और शिक्षकों को सशक्त बनाने में इस प्रकार की रणनीतिक साझेदारियों के महत्व पर प्रकाश डाला।इसके पश्चात आईआईटी रोपड़ के निदेशक डॉ. राजीव आहूजा ने उद्घाटन भाषण दिया और देश में उढर इन्फ्रास्ट्रक्चर को स्थापित करने की राष्ट्रीय पहल के बारे में बताया, जो विभिन्न क्षेत्रों के बीच नवाचार को सक्षम बनाता है।

आईआईटी रोपड़ के डीन (कॉर्पोरेट, एलुमनी, प्लेसमेंट्स और स्ट्रैटेजीज) उअढर एवं अठठअट अक व अहंऊ्र परियोजना निदेशक डॉ. पुष्पेन्द्र पी. सिंह ने आईआईटी रोपड़ की एग्रीटेक और उढर पहलों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया और एचआरआईटी यूनिवर्सिटी में स्थापित इस नई उढर लैब की क्षमता और उद्देश्य को स्पष्ट किया।

एचआरआईटी में स्थित यह सीपीएस लैब आईआईटी रोपड़ द्वारा विकसित उन्नत लाट किट्स से सुसज्जित है, जो 24७7 प्लग-एंड-प्ले एक्सेस के माध्यम से प्रायोगिक अधिगम का अवसर प्रदान करती है। इसमें वोल्टेरा डल्ली सर्किट प्रोटोटाइपिंग मशीन, डिवेलपमेंट टूल्स, लो पावर कैमरा मॉड्यूल्स, पर्यावरणीय सेंसर द्वारा उपलब्ध कराए गए वर्कस्टेशंस जैसी प्रमुख सुविधाएं शामिल हैं, जो साइबर-फिजिकल सिस्टम्स और स्मार्ट टेक्नोलॉजीज की व्यावहारिक खोज को सक्षम बनाती हैं।

समारोह का मुख्य आकर्षण उढर लैब का औपचारिक उद्घाटन था, जिसके बाद लैब का निरीक्षण और इसके प्रमुख संसाधनों का लाइव प्रदर्शन किया गया। यह लैब उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार के एक केंद्र के रूप में कार्य करेगी, जिससे छात्रों, शोधकताओं, नवप्रवर्तकों, उद्यमियों और उद्योग से जुड़े पेशेवरों को लाभ होगा। आईआईटी रोपड़ की तकनीकी टीम द्वारा प्रथम प्रशिक्षण और ओरिएंटेशन सत्र का संचालन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को उढर आधारित टूलकिट्स और व्यावहारिक शिक्षण अवसरों से अवगत कराया गया।

केरल में इमारत ढहने से तीन प्रवासी मजदूरों की मौत

इमारत में 17 प्रवासी श्रमिक रह रहे थे, 14 इमारत से सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे

हादसा उस समय हुआ जब सभी मजदूर काम पर जाने की तैयारी कर रहे थे

एजेंसी (हि.स.)
त्रिशूर (केरल)

फोटोः हि.स.

मध्य केरल के त्रिशूर जिले के कोडकारा इलाके में शुक्रवार सुबह एक पुरानी इमारत ढह जाने से उसमें रह रहे तीन प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह हादसा उस समय हुआ जब सभी मजदूर काम पर जाने की तैयारी कर रहे थे।

घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों और अग्निशमन एवं बचाव सेवाओं के अधिकारियों के अनुसार, इमारत में 17 प्रवासी श्रमिक रह रहे थे, जिनमें से 14 इमारत से सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे।

पुलिस के अनुसार, यह घटना सुबह करीब छह बजे घटी और पूरे बचाव अभियान में करीब ढाई घंटे का समय लगा। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मलबे में फंसे दो लोगों को जल्दी बचाया जा सका क्योंकि वे सतह के करीब थे।

अधिकारी ने बताया कि तीसरे व्यक्ति को बाहर निकालने में अधिक समय लगा, क्योंकि वह बड़े-बड़े कंक्रीट स्लैबों सहित मलबे के नीचे दबा हुआ था। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान में तीन इकाइयां तैनात की गई थीं। टीवी चैनलों पर दिखाए गए दृश्यों के अनुसार, मलबा हटाने और पीड़ितों को बचाने के लिए कई अग्निशमन एवं बचाव कर्मियों तथा कुछ जेसीबी का इस्तेमाल किया गया। पुलिस ने बताया कि पहले दो लोगों की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि इस बात की जांच की जानी चाहिए कि घटना के पीछे क्या कारण था। मौके पर मौजूद एक राजस्व अधिकारी ने संवाददाताओं को बताया कि श्रम विभाग के अधिकारियों को शीघ्र मौके पर पहुंचकर यह बताने को कहा गया है कि इतने सारे श्रमिकों को इमारत में रहने की अनुमति क्यों दी गई।

शाहजहांपुर में टैंकर की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत, चार अन्य घायल

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर जिले के कटरा थाना क्षेत्र में तेज गति से जा रहे एक टैंकर ने सड़क के किनारे खड़े सात लोगों को कुचल दिया जिससे तीन लोगों की मौत हो गयी और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को घटना की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर थाना कटरा क्षेत्र में फील नगर गांव के पास बृहस्पतिवार की रात सड़क के किनारे एक कार सवार अपनी कार रोक कर, परिचित मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों से बातचीत कर रहे थे, तभी शाहजहांपुर की ओर से जा रहे एक तेज रफ़्तार टैंकर ने इन लोगों को कुचल दिया। उन्होंने बताया कि इसके बाद सड़क किनारे खड़ी बाइक टैंकर में फंस गयी और टैंकर उसे काफी दूर तक घसीटता हुआ ले गया। एसपी ने बताया कि इस हादसे में योगेश कुमार कुरील ((40), विवेक मिश्रा (43) तथा मुबाशिर अली (38) की मौत हो गई और चार अन्य लोग घायल हो गए। ये सभी बाराबंकी तथा रामपुर के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि हादसे की सूचना पा कर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा जिनमें तीन लोगों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बाकी घायलों का राजकीय मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। एसपी ने बताया कि पुलिस ने टैंकर को कब्जे में ले लिया है जबकि उसका चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जैश के तीन आतंकवादियों को पकड़ने के लिए बसंतगढ़ के जंगल में तलाशी अभियान तेज

ड्रोन और खोजी कुत्तों की मदद से अभियान फिर से शुरू

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

फोटोः हि.स.

उधमपुर जिले के बसंतगढ़ के जंगली इलाके में शुक्रवार को पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के तीन आतंकवादियों को पकड़ने के लिए सुरक्षाबलों की एक संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान तेज कर दिया है। सुरक्षाबलों ने वीरवार को मुठभेड़ में जैश के एक आतंकवादी मार गिराया गया था। जम्मू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी ने बताया कि बसंतगढ़ के जंगली इलाके में फंसे तीन आतंकियों को खोजने के लिए ड्रोन और खोजी कुत्तों की मदद से आज सुबह अभियान फिर से शुरू किया गया है। समूह के शेष आतंकवादियों का सफाया करने के लिए घेराबंदी को और मजबूत किया गया है। चार आतंकवादियों के समूह पर एक साल से नजर रखी जा रही थी। उन्होंने बताया कि गुरुवार सुबह बसंतगढ़ के सुदूर बिहाली इलाके में सेना और पुलिस के संयुक्त तलाशी दल ने उनका सामना किया। चारों आतंकवादी करूर नाले के पास छिपे हुए पाए गए और सेना के पैरा कमांडो के नेतृत्व में संयुक्त तलाशी दल ने उनका पीछा किया, जिसके परिणामस्वरूप मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादी की पहचान हैदर के रूप में हुई है, जिसका कोड नाम पाकिस्तान का मौलवी था।

उन्होंने बताया कि ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) की मदद से यह आतंकी जंगलों और प्राकृतिक गुफाओं का इस्तेमाल कर छिपने के लिए एक इलाके से दूसरे इलाके में जा रहे थे। आतंकवादियों को भोजन और आश्रय प्रदान करने के लिए पिछले कई महीनों के दौरान बेल्ट में पांच ओजीडब्ल्यू को गिरफ्तार किया गया है। यह माना जाता है कि कई वर्षों के बाद पाकिस्तान से लौटा एक स्थानीय आतंकवादी सक्रिय रूप से आतंकवादियों का समर्थन कर रहा है।

बसंतगढ़ पाकिस्तानी आतंकवादियों के पारंपरिक घुसपैठ मार्ग पर स्थित है, जो कठुआ में अंतरराष्ट्रीय सीमा से प्रवेश करके जम्मू संभाग के डोडा और किश्तवाड़ जिलों और आगे कश्मीर घाटी में ऊंचे इलाकों से गुजरते हैं।

बस दुर्घटना के बाद लापता चल रहे नौ यात्रियों की खोज के लिए दूसरे दिन भी रेस्क्यू जारी

एजेंसी (हि.स.)
रुद्रप्रयाग

फोटोः हि.स.

बदरीनाथ हाईवे पर घोलतीर के पास हुई दर्दनाक बस दुर्घटना के बाद लापता चल रहे नौ यात्रियों की खोज के लिए दूसरे दिन भी सघन रेस्क्यू अभियान जारी है। यह अभियान प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की देखरेख में जिला पुलिस, फायर सर्विस, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ और जल पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से चलाया जा रहा है। अलकनंदा नदी में बोट और सोनार तकनीक की मदद से तलाशी अभियान चलाया जा रहा है और घटनास्थल से लेकर श्रीनगर तक के इलाकों में वॉचरों की नियुक्ति की गई है ताकि किसी भी लापता यात्री के सुराग मिल सकें।

इस सघन सर्च अभियान के दौरान रतूड़ा के समीप नदी किनारे एक शव बरामद हुआ है। शव को सड़क तक लाकर शव वाहन से जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग भेजा गया। एसपी अक्षय प्रह्लाद कोंडे ने जानकारी दी कि आज मिले शव की पहचान संजय सोनी, निवासी उदयपुर, शास्त्री सर्किल, राजस्थान, उम्र 55 वर्ष, के रूप में हुई है। शव का पंचनामा और पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सुपुर्द किया जा रहा है। फिलहाल अब भी 08 यात्री लापता हैं और उनकी तलाश के लिए रेस्क्यू टीमों द्वारा लगातार प्रयास जारी हैं।

गुरुग्राम में छात्र को कार से कुचलने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

गुरुग्राम। शहर में दिल्ली-जयपुर राजमार्ग पर अपनी कार से कुचलकर एक छात्र की जान लेने और उसके दोस्त को घायल करने के आरोप में बृहस्पतिवार को एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाले 31 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान गुरुग्राम के नूरपुर बोहरा कलां गांव निवासी मोहित के रूप में हुई है। वह सेक्टर 14 में पीजी में रह रहा था। आरोपी ने पुलिस को बताया कि 24 जून की सुबह वह अपने आवास पर लौट रहा था, तभी उसे गाड़ी चलाते समय झपकी लग गई, जिससे यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है। हादसे में ओम नगर कॉलोनी निवासी 25 वर्षीय हर्ष की मौत हो गई, जबकि उसके दोस्त अभिषेक को दिल्ली के एक अस्पताल में रेफर कर दिया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई गई है।

कांग्रेस के अवैध प्रवासियों का 'तुष्टीकरण' करने से सत्र भूमि पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हुआ: हिमंत

कहा, हमारा मिशन इन जमीनों को वापस पाने का है

एजेंसी (हि.स.)
गुवाहाटी

फोटोः हि.स.

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा अवैध प्रवासियों के तुष्टीकरण के कारण राज्य में 13,000 बीघा (4,300 एकड़) से अधिक 'सत्र' (वैष्णव मठ) की भूमि पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हुआ। शर्मा ने इन वैष्णव मठों के लिए भूमि पुनः प्राप्त करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सत्तारूढ़ सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस सरकार ने अपने अवैध आप्रवासी वोट बैंक को खुश करने के लिए स्वदेशी लोगों की भावनाओं को नजरअंदाज कर दिया, जिसके कारण 922 सत्र भूमियों पर अतिक्रमण हो गया। उन्होंने कहा कि प्रमुख जगहों पर हजारों बीघा सत्र भूमि पर अतिक्रमण किया गया है, जिसमें बारपेटा में 7,137 बीघा (2,355.21 एकड़), नागांव में 2,583.79 बीघा (852.66 एकड़), बाजाली में 2,757.39 बीघा (909.94 एकड़) और लखीमपुर में 896.76 बीघा (295.94 एकड़) शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ₹हमारा मिशन इन जमीनों को वापस पाने का है। शर्मा ने इस महीने की शुरूआत में घोषणा की थी कि सरकार राज्य भर में स्थित इन वैष्णव मठों के कल्याण के लिए एक स्थायी 'सत्र आयोग' स्थापित करेगी। इन ऐतिहासिक संस्थाओं के मुद्दों का अध्ययन करने के लिए गठित अस्थायी सत्र आयोग की बैठक में शर्मा ने कहा कि आयोग का स्थायी निकाय सत्रों को स्थायित्व प्रदान करने के लिए काम करेगा।

संक्षिप्त-समाचार

केदारनाथ यात्रा मार्ग सोनप्रयाग में बार-बार हो रहा बाधित

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम की ओर जाने वाला मार्ग सोनप्रयाग व गौरीकुण्ड के मध्य 02 जगहों पर निरन्तर हो रहा बाधित रात्रि में हुई बारिश के कारण इस स्थल पर मार्ग सुबह से रहा अवरुद्ध, तकरीबन 9 बजे के आस-पास मार्ग को सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाओं के स्तर से आवागमन हेतु खोला गया। रुद्रप्रयाग जिले में लगातार हो रही बारिश के चलते सोनप्रयाग शटल पुल के समीप व मुनकटिया के पास स्लाइडिंग जोन वाले क्षेत्र में निरन्तर मलपत्थर आने से मार्ग यात्रियों की आवाजाही के लिए पूर्ण रूपेण बाधित रहा। सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाओं के स्तर से मार्ग को खोले जाने की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी, परन्तु निरन्तर हो रही बारिश व ऊपर पहाड़ी से मलबा पत्थर गिरने के कारण इन दोनों स्थान पर मार्ग खोले जाने में दिक्कतें आई। मौसम के साफ होने व मलबा पत्थर के गिरने से रुकने के पश्चात सम्बन्धित कार्यदायी संस्था के स्तर से दोनो छोरों से कार्य प्रारम्भ करते हुए इन दोनों जगहों पर मार्ग को पैदल चलने लायक बनाया गया। इस बीच पुलिस के स्तर से इन दोनों स्थानों के दोनों छोरों पर सुरक्षा की दृष्टि से यात्रियों को रोकते हुए मार्ग के सुचारु होने पर उनको यात्रा मार्ग पर भेजा गया है व गौरीकुण्ड से वापस आने वाले यात्रियों को सोनप्रयाग की तरफ लाया गया है। इन स्थानों पर मार्ग के खुलने व बन्द होने की आँख मिचौली बनी हुई है तथा सम्बन्धित कार्यदायी संस्था, प्रशासनिक अधिकारीगण व पुलिस के स्तर से अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए यात्रियों की आवाजाही करवायी जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने केदारनाथ आ रहे श्रद्धालुओं से अपील है कि वे मौसम पूर्वानुमान सहित अतिरिक्त सतर्कता के साथ ही केदारनाथ धाम यात्रा पर आयें।

नेपाल के प्रधानमंत्री ओली स्पेन और विदेशमंत्री आरजू इटली के भ्रमण पर रहेंगे

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली शनिवार से पांच दिनों के लिए स्पेन की यात्रा पर जाने वाले हैं। वह संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रम में सहभागी होंगे। विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा इटली की यात्रा पर शुक्रवार रवाना। प्रधानमंत्री ओली स्पेन के राष्ट्रपति और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव के निमंत्रण पर चौथे अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग के सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री के प्रमुख राजनीतिक सलाहकार विष्णु रिमाल ने कहा कि इस सम्मलेन को नेपाल के प्रधानमंत्री अल्प विकसित देशों के समूह के अध्यक्ष के नाते संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि इस भ्रमण के दौरान स्पेन के राष्ट्रपति के साथ अलग से द्विपक्षीय बैठक होगी। इसके अलावा अन्य देशों के राष्ट्रध्यक्षों से भी ओली की साइडलाइन मुलाकात होगी। विदेशमंत्री राणा इटली दौरे के दौरान रोम में आयोजित कृषि तथा खाद्य संगठन के एक सम्मेलन को संबोधित करेंगी।

अमेरिकी टीवी पत्रकार बिल मोयर्स का 91 वर्ष की आयु में निधन

न्यूयॉर्क। अमेरिका के वरिष्ठ टीवी पत्रकार और व्हाइट हाउस के पूर्व सहयोगी बिल मोयर्स का 91 वर्ष की आयु में गुरुवार को यहां निधन हो गया। टेलीविजन संवाददाता और टिप्पणीकार के रूप में पहचाने जाने से पहले उनका तत्कालीन राष्ट्रपति लिंडन बी. जॉनसन से लंबा जुड़ाव रहा है। लॉस एंजिल्स टाइम्स की खबर के अनुसार, मोयर्स के बेटे विलियम ने बताया कि उनके पिता का लंबी बीमारी के बाद मेमोरियल स्लोन केटरिंग अस्पताल में निधन हो गया। मोयर्स ने 1971 में तत्कालीन राष्ट्रपति जॉनसन के प्रमुख सलाहकार और प्रेस सचिव के रूप में काम करने के बाद अपने टीवी करियर की शुरूआत की। उन्होंने 1970 और 80 के दशक में सीबीएस न्यूज में 10 साल बिताए। वह नेटवर्क की प्रतिष्ठित डॉक्यूमेंट्री सीरीज सीबीएस रिपोर्ट्स के संपादक और सीबीएस इवनिंग न्यूज के विश्लेषक थे। उन्होंने एनबीसी नाइटली न्यूज पर एक टिप्पणीकार के रूप में भी काम किया और 1996 में एमएसएनबीसी कार्यक्रम इनसाइट के होस्ट भी थे। पीबीएस में बिल मोयर्स जर्नल सेवा पर पहला समाचार कार्यक्रम था। इसे 1972 में लॉन्च किया गया। यह वही वक्त है जब वाटरगेट कांड से भूचाल आया हुआ था। उन्होंने 30 से अधिक एमी पुरस्कारों सहित टेलीविजन पत्रकारिता में शीर्ष पुरस्कार अर्जित किए। पीबीएस के लिए उनका अंतिम कार्यक्रम 2013 में प्रसारित हुआ। मोयर्स ने रीगन प्रशासन के दौरान द सीक्रेट गवर्नमेंट जैसे खोजी कार्यक्रमों का भी नेतृत्व किया। पीबीएस अध्यक्ष पाउला केर्गर ने एक बयान में कहा, ₹बिल मोयर्स हमेशा पीबीएस के लिए चैंपियन के रूप में याद किए जाएंगे।

इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्ला के ठिकाने पर हमला करने का दावा किया

तेल अवीव/बेरूत। इजराइल ने बीते दिन दक्षिणी लेबनान के हूला गांव में एक इमारत को निशाना बनाकर हमला किया और दावा किया है कि यह इमारत हिज्बुल्ला द्वारा सैन्य गतिविधियों के लिए उपयोग की जा रही थी। इजराइली सेना के अनुसार, यह कार्रवाई उन खुफिया सूचनाओं के आधार पर की गई जो हिज्बुल्ला की गतिविधियों में वृद्धि की ओर संकेत कर रही थी। इजराइल का कहना है कि हिज्बुल्ला पिछले वर्ष नवंबर में हुए संघर्षविराम समझौते का उल्लंघन करते हुए दक्षिणी लेबनान में अपनी सैन्य क्षमताओं को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। सेना के प्रवक्ता ने बयान जारी कर बताया कि यह हमला ₹हिज्बुल्ला की आक्रामक योजनाओं को विफल करने₹ की दिशा में एक निर्णायक कदम है। वहीं, लेबनान सरकार ने इस हमले की आलोचना की है और आरोप लगाया है कि इजराइल लगातार संघर्षविराम समझौते का उल्लंघन कर रहा है। बेरूत से जारी सरकारी बयान में कहा गया कि इजराइली सेना द्वारा की जा रही लगभग रोजाना हवाई और जमीनी कार्रवाई क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही है।

बिजनौर में कर्ज में डूबे परिवार के जहर खाने से मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हुई

बिजनौर। बिजनौर जिले के नूरपुर थाना इलाके में कर्ज में डूबे एक परिवार के जहर का सेवन करने से तीन लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक अभिषेक ने बताया कि थाना नूरपुर के कंडेरा गांव में पुखराज, उसकी पत्नी रमेशिया, बड़ी बेटी अनीता और छोटी बेटी सुनीता ने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। उन्होंने बताया कि रमेशिया और अनीता की मौत हो गई, जबकि पुखराज और सुनीता को इलाज के लिए मेरठ भेजा गया। एसपी ने शुक्रवार को बताया कि वीरवार रात को सुनीता की भी मौत हो गयी।

अमेठी में अनाज की बोरियों में मिट्टी और नमक मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान खाद्यान्न और उसकी बोरियों की जांच की गई

एजेंसी (हि.स.)
अमेठी (उप्र)

फोटोः हि.स.

अमेठी में गरीबों के लिए मुफ्त राशन योजना के तहत दिए जाने वाले खाद्यान्न की बोरियों में मिट्टी व नमक मिला है, जिसके बाद जिलाधिकारी ने मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को बताया कि योजना में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की शिकायत मिलने के बाद जिलाधिकारी संजय चौहान ने वीरवार को जगदीशपुर ब्लॉक के जलालपुर तिवारी गांव में उचित मूल्य की राशन की दुकान 'अन्नपूर्णा भवन' का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खाद्यान्न और उसकी बोरियों की जांच की गई, जिसमें प्रारंभिक जांच में पाया गया कि अनाज में मिट्टी और नमक मिला हुआ है। राशन में नमक व मिट्टी की मिलावट सामने आने के बाद जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी और जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी को मिलावटी खाद्यान्न बदलवाकर उसके स्थान पर स्वच्छ खाद्यान्न देने के निर्देश दिए। उन्होंने इस मामले की जांच गहनता से कराने के लिए अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की अध्यक्षता में एक टीम बनाने और दोषियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जिला सूचना अधिकारी शिव दर्शन यादव ने बताया कि इससे पहले दरपीपुर गांव में सरकारी राशन की दुकान में खाद्यान्न में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी तथा जलालपुर तिवारी में राशन में गड़बड़ी की शिकायत मिलने के बाद जिलाधिकारी ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि जिन बोरियों में इस तरह का अनाज निकले उसे तत्काल बदला जाए।

छत्तीसगढ़ में दो घोड़े गैल्डर्स से संक्रमित, प्रोटोकॉल के तहत जहर देकर मारे जाएंगे दोनों घोड़े

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में पहली बार घोड़ों में बेहद खतरनाक संक्रामक बीमारी गैल्डर्स की पुष्टि हुई है। यहां शादी-विवाह में इस्तेमाल किए जाने वाले दो घोड़े में गैल्डर्स के लक्षण मिले थे। जिसके बाद इसकी पुष्टि के लिए राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र, हिसार को ब्लड सैंपल भेजा गया था। पांचवीं बार ब्ल्ड सैंपल भेजे गए दोनों घोड़ों के सैंपल पॉजिटिव आए। गैल्डर्स एक संक्रामक बीमारी है जो घोड़े, गधों और खच्चरों में पाई जाती है और विशेष परिस्थिति में यह मनुष्यों में भी फैल सकता है। इसलिए इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी गंभीर माना जाता है। इस वक्त सरगुजा जिले में कुल 28 घोड़े पंजीकृत है। जिला प्रशासन ने सभी घोड़ा मालिकों को सतर्क रहने और आवश्यक जांच कराने की सलाह दी है। संक्रमित घोड़े के मालिकों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

उत्तर प्रदेशः बलिया में चाकू से हमला कर नाबालिग की हत्या, दो लोग घायल

एजेंसी (हि.स.)
बलिया

उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में चाकू से हमला कर एक नाबालिग की हत्या कर दी गयी और उसके दो साथियों पर भी वार किया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में सात आरोपियों को नामजद और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार को करीब डेढ़ घंटे तक राष्ट्रीय राजमार्ग जाम रखा। पुलिस के अनुसार, बैरिया थाना क्षेत्र के टोला शिवन राय गांव निवासी गोलू यादव (17) अपने तीन साथियों के साथ फकरु राय टोला गांव में बृहस्पतिवार को तेरहवीं में शामिल होने गया था। पुलिस ने बताया कि देर रात करीब एक बजे गोलू और उसके साथी घर लौट रहे थे कि तभी रास्ते में काली स्थान के समीप घात लगाकर बैठे लोगों ने चाकू, फरसा और लाठी से जानलेवा हमला किया। पुलिस के मुताबिक, हमले में गोलू की मौके पर ही मौत हो गई और गहन और चंदन नाम के उसके साथ घायल हो गए। बैरिया क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) मोहम्मद फहीम कुरैशी ने ह्यपीटीआई-भाषाह्न को बताया कि मौके पर पहुंचकर आक्रोशित ग्रामीणों को आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन देकर रास्ता खुलवाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह सहित पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। कुरैशी ने बताया कि मामले में मृतक के भाई दिलीप यादव की तहरीर पर टोला शिवन राय गांव के देवेंद्र सिंह, पवन सिंह, अमन सिंह और सोनू शाह तथा फकरु राय टोला गांव के प्रकाश सिंह, विकास सिंह और दीपांशु पासवान के साथ-साथ पांच अज्ञात लोगों के खिला प्राथमिकी दर्ज की गयी।

तेहरान को बातचीत की मेज पर लाने के लिए वाशिंगटन ने कूटनीतिक प्रयास तेज किए

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

फोटोः हि.स.

वाशिंगटन ने तेहरान को बातचीत की मेज पर लाने के लिए बेहद गोपनीय कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। ईरान और इजराइल में सैन्य हमलों के बीच भी अमेरिका और मध्य पूर्व के प्रमुख खिलाड़ियों ने पर्दे के पीछे ईरानियों से बात की है। ईरान और इजराइल के युद्धविराम समझौते के बाद ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने कई प्रस्ताव पेश किए हैं। सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार, प्रारंभिक मसौदा प्रस्ताव संभवतः ईरान को पसंद आएगा। ईरान लगातार कहता रहा है कि यूरेनियम के शून्य संवर्धन की उसे जरूरत नहीं है। मसौदा में ऐसा करने पर तमाम तरह की राहत देने का वादा किया गया है।

पिछले शुक्रवार को व्हाइट हाउस में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और खाड़ी भागीदारों के बीच इस पर घंटों विचार-विमर्श हुआ। प्रस्ताव के मसादे में कहा गया है कि नए ईरानी गैरसंवर्धन परमाणु कार्यक्रम में अनुमानित 20-30 बिलियन डालर का निवेश शामिल है। इसका उपयोग सिर्फ और सिर्फ नागरिक ऊर्जा उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। यही नहीं हाल के महीनों में परमाणु वार्ता के पिछले दौर में ईरान की परमाणु ऊर्जा सुविधाओं में निवेश पर चर्चा हो चुकी है। ट्रंप प्रशासन के एक अधिकारी का दावा है कि ईरान के साथ इन वाताओं का नेतृत्व करने के लिए अमेरिका तैयार है।

अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ईरान पर लगे कुछ प्रतिबंधों को हटाया जाएगा। तेहरान को विदेशी बैंक खातों में जमा 6 बिलियन डॉलर तक पहुंच की अनुमति प्रदान की जाएगी। पिछले सप्ताह एक और विचार सामने आया कि खाड़ी में अमेरिका समर्थित सहयोगी फोर्डो परमाणु सुविधा को बदलने के लिए भुगतान करें।

इतिहास — अखबार छापने से पहले सरकार की अनुमति लेने की बंदिश लगा दी

इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौर में प्रेस पर भी ढाए जुल्म

साल 1975 का जून का महीना देश-दुनिया में आपातकाल के लिए सदियों तक याद रखा जाएगा। भारत में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की आपातकाल की घोषणा के दो दिन के भीतर ही राजनीतिक विरोधियों और आंदोलनकारियों की गतिविधियों पर तो पहरा बिठा ही दिया गया। साथ ही आजाद भारत के इतिहास में ऐसा पहली ऐसा हुआ, जब सरकार ने प्रेस पर प्रतिबंध लगा दिए। यानी प्रेस को सेंसर कर दिया गया।

इंदिरा गांधी के इशारे पर समाचार पत्रों में छपने वाली खबरों को सेंसर किया जाने लगा और अखबार छापने से पहले सरकार की अनुमति लेने की बंदिश लगा दी गई। आपातकाल के दौरान 3801 समाचार-पत्रों के डिक्लेरेशन जब्त कर लिए गए। 327 पत्रकारों को मीसा में बंद कर दिया गया और 290 अखबारों के विज्ञापन बंद कर दिए गए। हालात इस कदर बिगड़े कि टाइम और गार्जियन अखबारों के संवादताओं को भारत से बोरिया-बिस्तर समेटने के लिए कह दिया गया। रॉयटर सहित अन्य एजेंसियों के टेलेक्स और टेलीफोन काट दिए गए।

फोटोः हि.स.

जन्म

1883: दैनिक आज के संस्थापक और प्रसिद्ध क्रान्तिकारी शिवप्रसाद गुप्त। 1921: भारत के पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव। 1960: भाजपा नेता प्रहलाद सिंह पटेल। 1976: भारत के प्रसिद्ध निशानेबाज जसपाल राणा। 1995: ऊंची कूद के भारतीय खिलाड़ी मरियप्पन थंगावेलु।

निधन

1972: प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक एवं सांख्यिकीविद पीसी महालनोबिस। 2007: जाफना के पूर्व प्रधानमंत्री किची मियाजावा। 2012: भारत के प्रसिद्ध साहित्यकार अमर गोस्वामी।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1651: पोलैंड और यूक्रेन के बीच बेरेस्तेको युद्ध शुरू। 1776: अमेरिका की जीत के साथ सुलीवन द्वीप युद्ध समाप्त। इतिहास में इसे अमेरिकी क्रांति के नाम से जाना जाता है। 1838: विक्टोरिया इंग्लैंड की महारानी बनीं। 1846: एडोल्फ सैक्स ने वाद्य यंत्र सेक्सोफोन का पेटेंट कराया। 1857: नाना साहेब ने बिठूर में स्वयं को पेशवा घोषित कर अंग्रेजों को भारत से उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। 1894: श्रम दिवस पर अमेरिका में आधिकारिक अवकाश घोषित। 1902: अमेरिकी संसद ने स्पूनर कानून पारित कर राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट को कोलंबिया से पनामा नहर के अधिग्रहण का अधिकार दिया। 1914: ऑस्ट्रिया के आर्कड्यूक फ्रांज फर्डिनेंड और उनकी पत्नी सोफी की साराजेवो में हत्या, यह प्रथम विश्वयुद्ध का तात्कालिक कारण बना। 1919: वारसा की संधि पर हस्ताक्षर। 1926: गोत्तलिब डैमलर और कार्ल बेन्ज ने दो कंपनियों का विलय कर मर्सिडिज-बेन्ज की शुरुआत की। 1950: कोरिया युद्धः वामपंथियों के प्रति नरम रुख रखने के संदेह में बोडो लीग नरसंहार। 1975: भारत में आपातकाल के दौरान सरकार विरोधी प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में केंद्र ने स्वतंत्रता के बाद सबसे कठोर प्रेस सेंसरशिप लागू किया। 1981: चीन ने कैलाश और मानसरोवर का रास्ता खोला। 1981: तेहरान में भीषण बम विस्फोट। इस्लामिक रिपब्लिकन पार्टी के 73 पदाधिकारी मारे गए। 1986: मिजो नेशनल फ्रंट के साथ समझौता। लाल डेंगा मिजोरम के मुख्यमंत्री बने। 1986: भारत सरकार ने अविवाहित लड़कियों को भी मातृत्व अवकाश देने का कानून बनाया। 1995: बाघों को शिकारियों से बचाने और उन्हें आश्रय देने के लिए मध्य प्रदेश को टाइगर स्टेट घोषित किया गया। 1996: भारत ने फिलिस्तीनी नियंत्रण वाले गाजा सिटी में अपना मिशन खोला। 1999: रूमानिया ने अपनी वायुसेना में रूसी विमानों की उड़ान पर रोक लगाई। 2004: अमेरिकी गठबंधन की सेना ने इराक की अंतरिम सरकार को बागडोर सौंपी। 2005: रूस ने ईरान के लिए छह परमाणु रिएक्टर बनाने की घोषणा की। 2008: लंदन में नासिरा शर्मा को उनके उपन्यास कुईयां जान के लिए 14वां अंतरराष्ट्रीय इंदु शर्मा कथा सम्मान प्रदान किया गया। 2010 : हावड़ा से मुंबई (कुर्ला) जा रही हावड़ा कुर्ला लोकमान्य तिलक ज्ञानेश्वरी सुपर डीलक्स एक्सप्रेस के 13 डिब्बे पटरी से उतरे। इन डिब्बों से विपरीत दिशा से आ रही मालगाड़ी के टकराने से 149 यात्रियों की मौत।

ट्रैविस हेड ने ऑस्ट्रेलिया के विकेट पतन को रोका

हेड की पारी से ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जगाई उम्मीदें

पहले दिन जहां 14 विकेट गिरे थे, वहीं दूसरे दिन भी 10 विकेट गिरे

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

ब्रिजटाउन

केनसिंग्टन ओवल में खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार (भारतीय समयानुसार) ट्रैविस हेड की जुझारू बल्लेबाजी ने ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में बनाए रखा है। पिच पर तेज गेंदबाजों को लगातार मदद मिल रही है और मैच तीसरे दिन से आगे जाता नहीं दिख रहा।

पहली पारी में वेस्टइंडीज ने 190 रन बनाकर 10 रन की मामूली बढ़त हासिल की थी। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी की शुरूआत भी लड़खड़ाई और टीम ने 65 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। हालांकि ट्रैविस हेड और ब्यू वेबस्टर ने मोर्चा संभाला और स्टंप्स तक स्कोर 92/4 तक पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया को अब तक 82 रन की बढ़त मिल चुकी है। हेड, जिन्होंने पहली पारी में टेस्ट का एकमात्र अर्धशतक लगाया था, दूसरी पारी में रक्षात्मक रणनीति अपनाते हुए टिके रहे। अलजारी जोसेफ की एक गेंद उनकी बाईं ग्लव पर भी लगी, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। दिन का खेल खत्म होने तक हेड 13 रन (37 गेंदों पर) और वेबस्टर 19 रन (24 गेंदों पर) बनाकर नाबाद लौटे।

पहले दिन जहां 14 विकेट गिरे थे, वहीं दूसरे दिन भी गेंदबाजों का दबदबा जारी रहा और 10 विकेट गिरे। पिच पर अब भी सीम और मूवमेंट मौजूद है जिससे तेज गेंदबाजों को काफी मदद मिल रही है।

स्कोरकार्ड

ऑस्ट्रेलियाः 180 और 92/4 (वेबस्टर 19*, एस जोसेफ 1/15, ए जोसेफ 1/15)

वेस्टइंडीजः 190 (शाई होप 48, मिचेल स्टार्क 3/65)

ऑस्ट्रेलिया की बढ़तः 82 रन

अविनाश साबले की निगाह व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और विश्व चैम्पियनशिप पर

बेंगलुरू। पिंडली की चोट के कारण एक साल तक परेशान रहे भारत के शीर्ष 3000 मीटर स्टीपलचेजर अविनाश साबले अब पूरी तरह से फिट हैं और उनकी निगाहें सितंबर में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप सहित आगामी प्रतियोगिताओं में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बेहतर करने पर टिकी हैं। एशियाई खेलों के चैंपियन साबले इस सत्र में ऊटी में अभ्यास कर रहे हैं और भारतीय खेल प्राधिकरण के दक्षिणी केंद्र में अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल करने में जुटे हैं। साबले ने यहां चुनिंदा पत्रकारों से कहा, पिछला साल अच्छा नहीं रहा, ऐसा भी नहीं लग रहा था कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर पाऊंगा। लेकिन इस साल मैं डायमंड लीग में भाग ले रहा हूं, इसलिए (विश्व चैम्पियनशिप के लिए) तैयारी अच्छी है। उन्होंने कहा, मेरा लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत समय हासिल करना है, जो आठ मिनट के करीब है। अभी अभ्यास के 15 दिन बचे हुए हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि मैं आठ मिनट के करीब पहुंचने में सफल रहूंगा। यह 30 वर्षीय खिलाड़ी 2023 में एशियाई खेलों के बाद से पिंडली की चोट से जूझ रहा था। उन्होंने 2025 के अपने सत्र की शुरूआत ज़ियामेन डायमंड लीग में आठ मिनट 22.59 सेकंड (8:22.59) सेकंड के समय के साथ की। और इसके बाद शाओक्सिंग में 8:23.85 सेकंड का समय निकाला। साबले ने मई में दक्षिण कोरिया के गुमी में एशियाई चैंपियनशिप में 8:20.92 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने कहा, ह्यह्यतैयारियां अच्छी चल रही हैं।

न्यूजीलैंड ने ट्राई-सीरीज के लिए टीम की घोषणा की, मिल्ने और हेनरी की वापसी

काइल जैमीसन पारिवारिक कारणों से इस दौरे पर नहीं होंग

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड ने आगामी टी20 ट्राई-सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका और मेजबान ज़िम्बाब्वे भी शामिल हैं। इस टीम में तेज गेंदबाज एडम मिल्ने और मैट हेनरी की वापसी हुई है। अनकैप्ड बल्लेबाज बेवन जैकब्स, जो दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज का भी हिस्सा थे, ने अपनी जगह बरकरार रखी है। 23 वर्षीय जैकब्स को एक बार फिर मौका दिया गया है और कोच का मानना है कि वे घरेलू क्रिकेट और विभिन्न फ्रेंचाइज लीग्स में अपने प्रदर्शन से प्रभावित कर चुके हैं।

एडम मिल्ने नवंबर के बाद पहली बार टीम में लौटे हैं, वहीं मैट हेनरी कंधे की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। वह चोट उन्हें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान लगी थी। वहीं, तेज गेंदबाज बेन सियर्स चोट के चलते अनुपलब्ध हैं, लॉकी फर्ग्यूसन को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है और काइल जैमीसन पारिवारिक कारणों (पहले बच्चे के जन्म का इंतजार) से इस दौरे पर नहीं होंगे। डेवोन कॉनवे और मिच हे भी टीम का हिस्सा नहीं हैं, जबकि विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी टिम सिफर्ट को सौंपी गई है। कप्तान केन विलियमसन ने खुद को चयन के लिए अनुपलब्ध रखा है।

यह दौरा न्यूजीलैंड के नए मुख्य कोच रॉब वॉल्टर का पहला कार्यभार होगा। उन्होंने एक बयान में कहा, ̄मुझे लगता है कि हमारे पास इस दौरे के लिए एक मजबूत टीम है और मैं खिलाड़ियों के साथ काम शुरू करने को लेकर उत्साहित हूं। उन्होंने आगे कहा, ̄पाकिस्तान के खिलाफ मार्च सीरीज में आईपीएल की वजह से जो खिलाड़ी उपलब्ध नहीं थे, उन्हें फिर से टीम में देखकर अच्छा लग रहा है। यह ट्राई सीरीज बेहतरीन होगी, दक्षिण अफ्रीका एक मजबूत टीम है और ज़िम्बाब्वे अपने घरेलू हालात में हमेशा चुनौतीपूर्ण रहता है। रॉब वॉल्टर ने एडम मिल्ने के अनुभव को अहम बताया और कहा कि उनकी गेंदबाजी खासकर पावरप्ले में काफी असरदार है। इसके साथ ही उन्होंने इस सीरीज को अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी का अहम हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, ̄विश्व कप को ध्यान में रखते हुए यह सीरीज हमारी तैयारी का एक महत्वपूर्ण चरण है। यह हमें विभिन्न खिलाड़ियों और संयोजनों को आजमाने का मौका देगा।

न्यूजीलैंड टीम, टी20 ट्राई-सीरीज 2025

मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलेन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, मैट हेनरी, बेवन जैकब्स, एडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, विल ओ'रूर्क, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सिफर्ट, ईश सोढ़ी।

युवेंटस को 5-2 से हराकर क्लब विश्व कप के ग्रुप जी में शीर्ष पर रहा मैनचेस्टर सिटी

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

ऑरलैंडो

मैनचेस्टर सिटी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए युवेंटस को 5-2 से हराकर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूनार्मेंट के ग्रुप जी में शीर्ष पर रहते हुए अगले दौर में जगह बनाई। कैम्पिंग वर्ल्ड स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए मैच में 26वें मिनट में मैनचेस्टर सिटी की टीम आत्मघाती गोल से 2-1 से आगे हो गई, जब डिफेंडर पियरे कालुलु ने नजदीक से पास रोकने का प्रयास करते हुए गेंद को अपनी नेट में पहुंचा दिया। इंग्लैंड के क्लब की तरफ से दूसरे हाफ में एरलिंग हालैंड, फिल फोडेन और सेविन्हो ने गोल करके स्कोर 5-1 कर दिया। इससे पहले जेरेमी डोकू ने नौवें मिनट में मैनचेस्टर सिटी के लिए पहला गोल किया लेकिन इसके दो मिनट बाद ट्यून कूपमेइनर्स ने बराबरी का गोल कर दिया। डुसन व्लाहोविक ने 84वें मिनट में इटली के क्लब के लिए दूसरा गोल किया, जो ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहा।

एफआईएच प्रो लीगः दूसरी श्रेणी में खिसकने से बचने की कोशिश करेगी भारतीय महिला टीम

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

बर्लिन

भारतीय महिला हॉकी टीम चीन के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले मैच में जीत हासिल करके लगातार छह हार के सिलसिले को तोड़कर एफआईएच प्रो लीग से बाहर होने से बचना चाहेगी। भारतीय महिला टीम वर्तमान में 14 मैचों में 10 अंकों के साथ नौ टीमों की तालिका में सबसे निचली पायदान पर है और उस पर 2026 में दूसरी श्रेणी के एफआईएच नेशंस कप में खिसकने का खतरा मंडरा रहा है। हॉकी इंडिया ने जब हरेंद्र सिंह को फिर से टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया था तब किसी ने भी नहीं सोचा था कि टीम इस स्थिति में पहुंच जाएगी।

लेकिन इस साल के शुरू में घरेलू चरण में अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन करने वाली भारतीय महिला टीम टूनार्मेंट के यूरोपीय चरण में ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और बेल्जियम (एक प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ दो मैच) के खिलाफ लगातार छह मैच हार गई। भारत अब शनिवार और रविवार को चौथे स्थान पर काबिज चीन के खिलाफ लगातार दो मैचों में जीत के साथ अपने प्रो लीग अभियान का सकारात्मक अंत करने के लिए प्रतिबद्ध होगा। भारतीय टीम को भले ही लगातार छह हार का सामना करना पड़ा हो, लेकिन उसने यहां अच्छी और आक्रामक हॉकी खेली। लेकिन शुरूआत में मिले मौकों का फायदा उठाने और पेनल्टी कॉर्नर को भुनाने में असफल रहने के कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा। दीपिका पर पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करने का बहुत अधिक दबाव था जिससे उनका खेल प्रभावित हुआ। भारतीय मिडफील्ड ने हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया। सलीमा टेटे, लालरेमसियामी, शर्मिला देवी, सुनलिता टोप्पो, वैष्णवी विट्ठल फाल्के और नेहा जैसी खिलाड़ियों ने अग्रिम पंक्ति के लिए पर्याप्त मौके बनाए।

जूनियर राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में सेना ने लड़कों और लड़कियों का खिताब जीता

रोहतक। सेना खेल संवर्धन बोर्ड (एसएससीबी) ने छठी जूनियर (अंडर-17) लड़के और लड़कियों की राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में दोनों वर्ग में ओवरऑल चैंपियन बनकर अपना दबदबा कायम किया। सेना ने लड़कों के वर्ग में फिर से टीम खिताब जीता जबकि लड़कियों के वर्ग में उसने हरियाणा को हराकर खिताब हासिल किया। हरियाणा दोनों वर्ग में दूसरे स्थान पर रहा। एसएससीबी ने रोहतक स्थित राष्ट्रीय मुक्केबाजी अकादमी में एक सप्ताह तक चली इस प्रतियोगिता में लड़के और लड़कियों दोनों वर्ग में नौ पदक जीते। उसके लड़कों की टीम ने छह स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जबकि लड़कियों की टीम ने चार स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पदक जीता। महाराष्ट्र ने लड़कों जबकि मणिपुर ने लड़कियों के वर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया।

पहला टी20 मैचः विश्व कप को ध्यान में रखकर इंग्लैंड का सामना करेगी भारतीय महिला टीम

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

नॉटिंघम

भारतीय महिला टीम अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दौरान परिस्थितियों और मैच स्थलों की विशेषताओं को समझने की कोशिश करेगी। आईसीसी विश्व कप के आयोजन में अभी लगभग एक साल का समय है, लेकिन पिछले साल ग्रुप चरण में बाहर होने वाली भारतीय टीम के लिए यह श्रृंखला बेहद महत्वपूर्ण है।

भारतीय टीम प्रबंधन यहां की पिचों की प्रकृति और बदलते मौसम का खेल पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करना चाहेगा। टीम प्रबंधन को इसके साथ ही यह पता करने का भी मौका मिलेगा कि इस तरह की परिस्थितियों में किस तरह के खिलाड़ी प्रभाव डाल सकते हैं। विस्फोटक सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा की वापसी के अलावा भारत ने क्रांति गौड़, श्री चरणी और सयाली सतघरे जैसे कुछ नए चेहरों को अपनी टीम में शामिल किया है। पूरी संभावना है कि शैफाली को स्मृति मंधाना के साथ पारी का आगाज करने का मौका दिया जाएगा, क्योंकि उमा छेत्री कुछ मैचों में सलामी बल्लेबाज के रूप में प्रभावित नहीं कर पाई थी। भारत का यह इस साल का पहला टी20 मैच है और ऑफ स्पिन ऑलराउंडर स्नेह राणा और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अमनजोत कौर की वापसी पर सबकी निगाहें रहेंगी। राणा फरवरी 2023 के बाद टीम में वापसी कर रही हैं और इस साल की महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में अच्छे प्रदर्शन से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

मिक्स सॉस पास्ता बनाने की एकदम आसान रेसिपी, स्वाद ऐसा कि उंगलियां चाट जाएंगे सभी

पास्ता एक बहुत ही टेस्टी और फेमस इटैलियन डिश है, जिसे काफी अलग-अलग तरीकों से बनाया जाता है। इन्हीं में एक तरीका है मिक्स सॉस पास्ता। यह रेड और व्हाइट सॉस को मिक्स करके बनाया जाता है। इसका फ्लेवर काफी अच्छा होता है और सभी को खूब पसंद आता है। आइए जानें मिक्स सॉस बनाने की रेसिपी।

सामग्री

1½ कप पास्ता
4-5 कप पानी
1 छोटा चम्मच नमक
1 छोटा चम्मच तेल
2 टमाटर
1 छोटा प्याज
4-5 लहसुन की कलियां
1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
½ छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर
1 छोटा चम्मच ऑरिगैनो
1 छोटा चम्मच चीनी
नमक स्वादानुसार
1 बडा चम्मच तेल
1 बडा चम्मच मक्खन
1 बडा चम्मच मैदा
1 कप दूध
¼ कप कद्दूकस किया हुआ चीज
½ छोटा चम्मच काली मिर्च
नमक स्वादानुसार
½ कप कटी हुई शिमला मिर्च (लाल, हरी, पीली)
½ कप कटा हुआ प्याज
1 छोटा चम्मच चिली फ्लेक्स
1 बडा चम्मच तेल

विधि

- सबसे पहले एक बर्तन में पानी गर्म करें और उसमें नमक और तेल डालें।
- जब पानी उबलने लगे, तो इसमें पास्ता डालें और इसे हल्का कच्चा रहने तक पकाएं।
- इसके बाद पास्ता को छानकर ठंडे पानी से धो लें और एक तरफ रख दें।
- दूसरी तरह टमाटर, प्याज और लहसुन को मिक्सर में पीसकर पेस्ट बना लें।
- अब कड़ाही में तेल गर्म करें और टमाटर पेस्ट डालकर 4-5 मिनट पकाएं।
- इसके बाद इसमें लाल मिर्च, काली मिर्च, ऑरिगैनो, चीनी और नमक डालकर मिलाएं और सॉस गाढा होने तक पकाएं। जब सॉस गाढ़ा हो जाए, तो गैस से उतारकर एक तरफ रख दें।
- अब एक पैन में मक्खन गर्म करें और उसमें मैदा डालकर भूनें। इसके बाद इसमें धीरे-धीरे दूध डालकर चलाते हुए गाढा सॉस बना लें। ध्यान रखें कि इसमें गांठ न पड़े।
- इसमें कद्दूकस किया हुआ चीज, काली मिर्च और नमक डालकर मिलाएं।
- इसके बाद एक बड़ी कड़ाही में तेल गर्म करें और प्याज व शिमला मिर्च को हल्का सॉफ्ट होने तक भूनें।
- अब इसमें तैयार रेड सॉस और व्हाइट सॉस डालकर मिलाएं और उबले हुए पास्ता को सॉस में डालकर अच्छी तरह मिक्स करें।
- इसे 2-3 मिनट तक पकाएं और ऊपर से चीज और चिली फ्लेक्स डालकर सर्व करें।

आप भी घर पर आसानी से बना सकते हैं स्पंजी और टेस्टी ढोकला

ढोकला गुजरात का एक मशहूर और स्वादिष्ट डिश है, जिसे नाश्ते के रूप में खाया जाता है। यह नरम, हल्का और हेल्दी होता है, जिसे बेसन और सूजी से बनाया जाता है। इसे बनाना बहुत ही आसान है और इसे कुछ ही मिनटों में तैयार किया जा सकता है। आइए जानें स्पंजी और टेस्टी ढोकला बनाने की रेसिपी।

विधि

- एक बड़े बाउल में बेसन और सूजी डालें।
- इसमें अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, नींबू का रस, हल्दी पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं।
- अब धीरे-धीरे पानी डालकर गाढ़ा बैटर तैयार करें और इसे 15-20 मिनट के लिए रेस्ट करने दें।
- एक स्टीमर या प्रेशर कुकर में पानी डालकर गर्म करें।
- बैटर में फ्रूट सॉल्ट या खाने का सोडा डालें और तुरंत हल्के हाथों से मिलाएं।
- एक ग्रीस की हुई ढोकला ट्रे या थाली में बैटर डालें।
- ट्रे को स्टीमर में रखकर 15-20 मिनट तक स्टीम करें।
- ढोकला पक जाने पर टूथपिक टेस्ट करें। अगर टूथपिक साफ निकल आए तो ढोकला तैयार है।
- अब एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें राई, हींग, करी पत्ता और हरी मिर्च डालकर भूनें।
- अब इसमें चीनी और पानी डालकर उबाल आने दें।
- तैयार ढोकले पर यह तड़का डालें और कोट कर दें।
- ढोकले को हरे धनिया से गार्निश करें।

सामग्री

1 कप बेसन
2 टेबलस्पून सूजी
1 टीस्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट
1 टीस्पून नींबू का रस
1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर
1 टीस्पून फ्रूट सॉल्ट या खाने का सोडा
1 टीस्पून तेल
नमक स्वादानुसार
2 टेबलस्पून तेल
1 टीस्पून राई
1 टीस्पून हींग
8-10 करी पत्ते
2 हरी मिर्च
1 टीस्पून चीनी
1/2 कप पानी
हरा धनिया

राज्य मंत्री, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा यूटी चंडीगढ़ में आधारशिला रखी गई और कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया

संजय कुमार ने कहा चंडीगढ़- एक भारत, श्रेष्ठ भारत का सच्चा प्रतीक है, भारत के नए कानूनी कोड को पूरी तरह से लागू करने वाला देश का पहला राज्य चंडीगढ़ है

संवाददाता
चंडीगढ़

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री, श्री बंदी संजय कुमार ने आज केंद्र शासित प्रदेश में कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखने और उद्घाटन करने के लिए चंडीगढ़ के सेक्टर 50 स्थित गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन का दौरा किया।

मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए, यूटी चंडीगढ़ के मुख्य सचिव श्री राजीव वर्मा ने बिजली वितरण के निजीकरण, रूफटॉप सोलर संतृप्ति और एसडीजी इंडिया इंडेक्स में चंडीगढ़ के मजबूत प्रदर्शन सहित कई क्षेत्रों में शहर की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज उद्घाटन और शिलान्यास की गई पांच प्रमुख परियोजनाएं शहर भर में शिक्षा, आवास, सुरक्षा और बुनियादी ढांचे के विकास में व्यापक परिवर्तन का प्रतीक हैं।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने कॉमर्स कॉलेज, सेक्टर 50 में हॉस्टल ब्लॉक (लड़के और लड़कियां) का उद्घाटन किया। उन्होंने वाटर वर्क्स, सेक्टर 39 में 2,500 किलोवाट के फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट; गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कजहेड़ी के एक्सटेंशन ब्लॉक; और पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज, सेक्टर 46 में आईटी ब्लॉक का भी वर्चुअल उद्घाटन किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने धनास में चंडीगढ़ सशस्त्र पुलिस परिसर में 144 आवासीय इकाइयों के निर्माण की आधारशिला रखी।

अपने संबोधन में, श्री बंदी संजय कुमार ने चंडीगढ़ को एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना का सच्चा अवतार बताया। उन्होंने विकास, पारदर्शिता और सुरक्षा में शहर की प्रगति की सराहना की और कहा कि स्मार्ट सिटी परियोजनाओं, सड़क और सार्वजनिक परिवहन आधुनिकीकरण, डिजिटल शासन, जीवन-यापन में आसानी की पहल और ग्रीन इंडिया तथा स्वच्छ भारत मिशन के कार्यान्वयन से नागरिकों के जीवन में ठोस सुधार आए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चंडीगढ़ देश में तीन नए कानूनी ढाँचों- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को पूरी तरह से लागू करने वाला पहला शहर है। शहर द्वारा इन नए आपराधिक, नागरिक और साक्ष्य कानूनों को अग्रणी रूप से अपनाना नागरिक सुरक्षा और न्याय वितरण को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा, आज उद्घाटन और शिलान्यास की गई परियोजनाएँ न केवल चंडीगढ़ के विकास को दशार्ती हैं, बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के सिद्धांत के तहत व्यापक राष्ट्रीय दृष्टिकोण और प्रतिबद्धता को भी दशार्ती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन पहलों से शैक्षिक गुणवत्ता, सुरक्षा और बुनियादी ढांचे में वृद्धि होगी, नए आईटी ब्लॉक के माध्यम से युवाओं को प्रौद्योगिकी कौशल से सशक्त बनाया जाएगा और धनास में आवास परियोजना के माध्यम से पुलिस कर्मियों के लिए बेहतर रहने की स्थिति प्रदान की जाएगी।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने नशीली दवाओं के उन्मूलन, साइबर अपराध की रोकथाम, महिला सुरक्षा और यातायात प्रबंधन को संबोधित करने में चंडीगढ़ पुलिस, चंडीगढ़ प्रशासन और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने शांति, आपदा प्रतिक्रिया और साइबर सुरक्षा को मजबूत करने में केंद्र शासित प्रदेश का समर्थन करने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

विकसित भारत 2047 के विजन को देखते हुए, श्री बंदी संजय कुमार ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत दुनिया की अग्रणी आर्थिक शक्ति के रूप में उभरेगा। इस मिशन के हिस्से के रूप में, चंडीगढ़ को नॉलेज हब, वेलनेस सिटी और स्मार्ट गवर्नेंस के मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने इस परिवर्तन के प्रति समर्पण और पहल के लिए यूटी चंडीगढ़ के सभी अधिकारियों, योजनाकारों, इंजीनियरों, श्रमिकों और नागरिकों को बधाई दी।

इस अवसर पर चंडीगढ़ की मेयर श्रीमती हरप्रीत कौर बबला; भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल श्री सत्य पाल जैन; चंडीगढ़ पुलिस महानिदेशक श्री पुष्पेन्द्र सिंह, वित्त सचिव श्री दीप्रवा लाकड़ा, नगर निगम आयुक्त श्री अमित कुमार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पर्यावरण सचिव श्री सौरभ कुमार, मुख्य अभियंता श्री सी.बी. ओझा तथा चंडीगढ़ प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुंडिया ने गमाडा की सड़कों के कार्यों में ढिलाई और घटिया गुणवत्ता का लिया संज्ञान

संवाददाता
साहिबजादा अजीत सिंह नगर

आवास निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडिया ने साहिबजादा अजीत सिंह नगर में सेक्टर 65/66 जंक्शन से लेकर सेक्टर 66-बी एयरपोर्ट रोड को चौड़ा करने के कार्य का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान स मुंडिया ने पाया कि कार्य की गति धीमी है और कार्य गुणवत्तापूर्ण नहीं किया जा रहा। इस पर उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने विभाग के प्रधान सचिव को इस मामले की जांच करने और दोषियों की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कागजों में कार्य की जो प्रगति दिखाई जा रही है, उसकी तुलना में जमीन पर बहुत कम काम हुआ है। इसके अलावा कार्य की गुणवत्ता भी मानकों के अनुरूप नहीं है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि चाहे इसके लिए विभाग का कोई अधिकारी या ठेकेदार जिम्मेदार हो, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स मुंडिया ने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार जहां प्रदेश के सर्वांगीण और योजनाबद्ध विकास के लिए वचनबद्ध है, वहीं सरकारी कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आवास निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री ने आगे कहा कि पिछले कुछ समय से साहिबजादा अजीत सिंह नगर प्रदेश का सबसे तेजी से विकसित होता शहर बन चुका है, जहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट रिहायशी क्षेत्रों और कॉर्पोरेट दफ्तरों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि गमाडा इस क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है और वे स्वयं समय-समय पर यहां चल रहे कार्यों का निरीक्षण करते रहेंगे।

प्रशासक ने सिविल सेवा परीक्षा में चयनित उम्मीदवारों को किया सम्मानित

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने शुक्रवार को पंजाब राजभवन में संकल्प-चंडीगढ़ द्वारा आयोजित एक विशेष समारोह में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) और विभिन्न राज्य लोक सेवा आयोगों की परीक्षाओं में चयनित उम्मीदवारों को सम्मानित किया। इस अवसर पर यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 13 उम्मीदवारों और राज्य स्तरीय लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में चयनित होने वाले 7 उम्मीदवारों को सम्मानित किया गया। प्रशासक ने सभी सफल उम्मीदवारों को बधाई दी और कहा कि आपने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण से न केवल अपने परिवार बल्कि पंजाब और पूरे देश का नाम रोशन किया है। राज्यपाल ने अपने संबोधन में सिविल सेवा की कठिनाई और गरिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह परीक्षा केवल पाठ्यक्रम की ही परीक्षा नहीं है, बल्कि आत्म-अनुशासन, समय प्रबंधन और मानसिक दृढ़ता की भी परीक्षा है। उन्होंने संकल्प चंडीगढ़ संस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि पिछले कई वर्षों से यह संस्था आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली युवाओं को निःशुल्क मार्गदर्शन प्रदान कर उन्हें सशक्त बना रही है। उन्होंने कहा कि 1986 में दिल्ली से शुरू होकर 2007 में चंडीगढ़ पहुंची इस संस्था ने अब तक 133 से अधिक युवाओं को यूपीएससी, पीपीएससी, एचपीएससी और एचपीएएस जैसी परीक्षाओं में सफलता दिलाई है। यह संस्था सामाजिक जिम्मेदारी का अनूठा उदाहरण बन गई है। राज्यपाल ने उपस्थित विद्यार्थियों और युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आज जो अभ्यर्थी इस मंच पर बैठे हैं, वे आपके लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। आप भी संकल्प लें कि एक दिन आप इस मंच पर बैठकर राष्ट्र की सेवा में अपना योगदान देंगे। राज्यपाल ने यह भी कहा कि सिविल सेवा केवल एक कैरियर नहीं है, बल्कि यह कर्तव्य, संवेदनशीलता और नेतृत्व की यात्रा है। उन्होंने युवाओं से ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता के मूल्यों का पालन करते हुए देश को विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में राज्यपाल ने सभी सफल उम्मीदवारों, उनके अभिभावकों, संस्थान के मार्गदर्शकों, शिक्षकों और कार्यकताओं को बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पंजाब और हरियाणा के भावी उम्मीदवारों और उनके शिक्षकों को भी शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता , राज्यपाल के प्रधान सचिव विवेक प्रताप सिंह और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पंचकूला में पहली बार: अलकेमिस्ट अस्पताल में लॉन्च की गई एडवांस्ड रोबोटिक तकनीक

संवाददाता
चंडीगढ़

अलकेमिस्ट अस्पताल, पंचकूला ने दा विंची एक्सआई सर्जिकल रोबोट पेश किया है, जो दुनिया की सबसे उन्नत रोबोटिक सर्जिकल प्रणालियों में से एक है। यह अत्याधुनिक तकनीक स्त्री रोग, सामान्य सर्जरी, मूत्रविज्ञान, सिर और गर्दन की सर्जरी, कैंसर सर्जरी और किडनी प्रत्यारोपण सहित विभिन्न विशेषताओं में सर्जिकल परिशुद्धता, सुरक्षा और रोगी परिणामों के लिए एक नया मानक स्थापित करेगी।

अलकेमिस्ट ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के चेयरमैन करणदीप सिंह ने कहा, स्वास्थ्य सेवा के हर पहलू में तेजी से विकास हो रहा है, इसलिए समय आ गया है कि भारत में सर्जरी भविष्य को अपनाए। तकनीक उन्नत है, यह पूरी तरह से सर्जन के नियंत्रण में रहती है, जो अत्यधिक परिष्कृत रोबोटिक प्लेटफॉर्म पर उनके कौशल को बढ़ाती है। मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. परमजीत सिंह मान ने कहा कि दा विंची एक अगली पीढ़ी का रोबोटिक सर्जिकल प्लेटफॉर्म है, जिसे सर्जनों को बेहतर नियंत्रण, सटीकता और न्यूनतम आक्रमण के साथ जटिल प्रक्रियाओं को करने में सक्षम बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। वरिष्ठ सलाहकार जनरल और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी डॉ. हर्ष गर्ग बताया कि अब सर्जिकल रोबोट के साथ, हम अधिक सटीकता के साथ जटिल सर्जरी करेंगे, जिससे रोगियों को कम दर्द होगा और वे तेजी से ठीक होंगे। सलाहकार जनरल और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी डॉ. रोहित बंसल ने कहा कि रोबोट चुनौतीपूर्ण शारीरिक क्षेत्रों में बेहतर परिणामों के साथ काम करने की हमारी क्षमता को बढ़ाता है। वरिष्ठ सलाहकार, जनरल और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी डॉ. मुकेश गोयल, ने कहा, सामान्य सर्जरी में रोबोटिक सर्जरी पारंपरिक ओपन या लेप्रोस्कोपिक सर्जरी की तुलना में कई फायदे प्रदान करती है, जिसमें छोटे चीरे, कम दर्द, तेजी से रिकवरी और जटिलताओं का कम जोखिम शामिल है। ये लाभ रोबोटिक सिस्टम की बढ़ी हुई सटीकता, निपुणता और विजुअलाइजेशन क्षमताओं से उत्पन्न होते हैं, जिससे सर्जन अधिक सटीकता और नियंत्रण के साथ जटिल प्रक्रियाएं कर सकते हैं।

पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगवाए: राव नरबीर

संवाददाता
पंचकूला

वन एवं पर्यावरण तथा उद्योग मंत्री श्री राव नरबीर सिंह ने शुक्रवार को आगामी वृक्षारोपण अभियान के मद्देनजर पंचकूला जिले में स्थित वन विभाग की नर्सरी का अवलोकन किया तथा अधिकारियों को अधिक से अधिक पौधे लगवाने व उनकी देखभाल करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने नेचर कैंप का भी दौरा किया और त्रिफला वाटिका में जाकर वहां की व्यवस्थाएं भी देखी।

श्री राव नरबीर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आने वाले पौधारोपण के सीजन के दौरान व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर अधिक से अधिक पौधे लगाए ताकि पर्यावरण को आने वाले पीढियों के लिए संरक्षित किया जा सके। वन विभाग की नर्सरी का दौरा करते हुए वन मंत्री ने 2 वर्ष पूर्व लगाए गए पौधों को भी देखा और कहा कि हर वर्ष जो भी पौधे लगाए जाते है उनकी उचित देखभाल की व्यवस्था करें ताकि वन क्षेत्र में पर्याप्त वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि हम जितने अधिक से अधिक पेड लगाएंगे उतना ही आने वाली पीढियों को सुरक्षित पर्यावरण दें पाएंगे। नर्सरी का दौरा करने पश्चात वन मंत्री ने थापली स्थित नेचर कैप में जाकर वहां स्थापित नेचरोपैथी सेंटर की व्यवस्थाएं देखी और वहां काम कर रहे विशेषज्ञों को और मेहनत से काम करने के लिए कहा ताकि अधिक से अधिक लोग आकर वहां पर अपना इलाज करवा सके। इस दौरान मंत्री को बताया गया कि पंचकूला जिला में स्थित वन विभाग की नर्सरियों में इस वर्ष पौधा रोपण के लिए 20 लाख पौधे तैयार किए गए है।

वन मंत्री श्री राव नरबीर ने नेचर कैप में ही स्थापित क्लाईमेट चेंज लैब का भी निरीक्षण किया और वहां पर चल रहे प्रकल्पो के बारे में जाना। इस दौरान उन्हें बताया गया कि इस लैब में आने वाले विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जल संरक्षण के बारे में जानकारी व ट्रेनिंग दी जाती है ताकि आने वाले पीढियों के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध हो। नेचर कैप का दौरा करने पश्चात उन्होंने मांधना गांव स्थित त्रिफला वाटिका में जाकर वहां लगाए गए औषधिय पौधों के बारे में जानकारी ली।

संक्षिप्त-समाचार

ऑनलाइन नामांकन करने के लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2025

पंचकूला। गृह मंत्रालय की ओर से गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों नामतः पद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्मश्री के लिए ऑनलाइन नामांकन करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसके लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2025 है। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नामांकन अथवा अनुशंसा केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएंगी। नामांकन करने वाले व्यक्ति एक व्याख्यात्मक प्रशस्ति-पत्र (अधिकतम 800 शब्द) भी जिसमें अनुसंशित व्यक्ति की संबंधित क्षेत्र/विषय में विशिष्ट और अन्य उपलब्धियों/सेवाओं का स्पष्ट उल्लेख हो, प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने बताया कि महिलाओं, समाज के कमजोर वर्गो, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों, दिव्यांग लोगों तथा समाज की निस्वार्थ सेवा करने वाले लोगों में से उन प्रतिभावान व्यक्तियों की पहचान हेतु मिलकर प्रयास किये जाए, जिनकी उत्कृष्टता और वास्तव में सम्मान की हकदार है। उपायुक्त ने बताया कि पद्म पुरस्कार, अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री, देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से हैं। वर्ष 1954 में स्थापित इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। यह पुरस्कार कला, साहित्य और शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सार्वजनिक कार्य, नागरिक सेवाओं, व्यापार और उद्योग जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवाओं के लिए उत्कृष्ट-कार्य को मान्यता प्रदान करने के लिए प्रदान किए जाते हैं। जाति, व्यवसाय, पद या लैंगिक भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। डॉक्टर और वैज्ञानिकों को छोडकर सार्वजनिक उपक्रमों में काम करने वाले सरकारी कर्मचारी पद्म पुरस्कार के लिए पात्र नहीं हैं।

नगराधीश ने उपायुक्त कार्यालय की नई इमारत की करवाई साफ सफाई

पंचकूला। उपायुक्त श्रीमती मोनिका गुप्ता के मार्गदर्शन में नगराधीश श्री विश्वनाथ ने उपायुक्त कार्यालय की नई इमारत में आज वातावरण को स्वच्छ एवं साफ सुथरा रखने के उद्देश्य से हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, नगर निगम व अन्य विभागों के कर्मचारियों ने संयुक्त अभियान के तहत मिलकर पूरी इमारत को पानी की फुवारो से धुलाई कर साफ सुथरा किया। उन्होंने बताया कि मानूसन को देखते हुए सभी विभागों से अपील की कि अपने अपने कार्यालयों को स्वच्छ व साफ सुथरा रखें ताकि बारिश के दौरान स्वयं और दूसरों को भी बीमारियों से बचाया जा सके। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को फोगिंग करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को कहा कि सप्ताह में दो दिन इमारत की फोगिंग करना सुनिश्चित करें ताकि मच्छर ना पनपे और उनसे फैलने वाली बीमारियों से बचा जा सके। श्री विश्वनाथ ने बताया कि इसके उपरांत पुरानी उपायुक्त कार्यालय की इमारत को भी स्वच्छता के अंतर्गत साफ व सुथरा किया जाएगा ताकि इमारत में काम करने वाले कर्मचारी मानसून के दौरान होने वाली बीमारियों से बच सके।

देसी कट्टे के साथ फरार बदमाश गिरफ्तार

चंडीगढ़। मलोया थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए उपद्रव और हमले के मामले में फरार चल रहे चौथे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान 25 वर्षीय शुभाष कुमार उर्फ शुभम के रूप में हुई है, जो ज़िरकपुर के बादल कॉलोनी का रहने वाला है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक देसी कट्टा भी बरामद किया है। यह कार्रवाई एसएसपी कंवरदीप कौर के निर्देश, सिटी एसपी गीतांजलि खंडेलवाल की देखरेख और एएसपी अनुराग दारु की निगरानी में की गई। मलोया थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जसबीर सिंह की अगुवाई में पुलिस टीम ने आरोपी को 26 जून को गिरफ्तार किया और शुक्रवार को अदालत में पेश किया, जहां से एक दिन का पुलिस रिमांड मिला। गौरतलब है कि 11 जून की रात डड्डूमाजरा कॉलोनी के ईडब्ल्यूएस क्वार्टर के पास कुछ युवकों ने लाठी-डंडों और हथियारों से उत्पात मचाया था। इस दौरान रानी देवी नामक महिला घायल हो गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को देखकर आरोपी फरार हो गए थे, लेकिन एक मोटरसाइकिल और देसी कट्टा मौके पर छोड़ गए थे।

डीडीटीसी, पीजीआई ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर जागरूकता सत्र आयोजित किए

संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़ के पीजीआईएमईआर के मनोचिकित्सा विभाग, ड्रग डी-एडिक्शन एंड ट्रीटमेंट सेंटर (डीडीटीसी) ने 26 जून, 2025 को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर जागरूकता सत्र आयोजित किया है। यह कार्यक्रम डीडीटीसी ओपीडी में सुबह 11:00 बजे हुआ इस वर्ष का विषय है सबूत स्पष्ट है: रोकथाम में निवेश करें; चक्र को तोड़ें। डॉ. राहुल चक्रवर्ती, सहायक प्रोफेसर और डॉ. क्षितिज, सहायक प्रोफेसर, डॉ. हर्ष थापा, वरिष्ठ रेजिडेंट ने विभिन्न प्रकार की दवाओं और स्वास्थ्य पर उनके प्रभाव के बारे में बताया। डॉ. क्षितिज ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग और लत के लोगों के जीवन पर पड़ने वाले गंभीर प्रभाव और सामाजिक शांति, विकास और वृद्धि पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बात की। सुश्री निकिता, सुश्री अर्पणा रत्तू और सुश्री नीतू रानी, मेडिकल सोशल वर्कर ने उपचार से जुड़े कलंक के बारे में बात की थी। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, बीएससी (नर्सिंग) के छात्रों और रोगियों ने पोस्टर-मेकिंग और नारा-लेखन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। छात्रों को संकाय द्वारा सम्मानित किया गया। दूसरा कार्यक्रम चंडीगढ़ के मनीमाजरा के इंद्रा कॉलोनी में शाम 4:00 बजे समुदाय में हुआ। इस पहल का उद्देश्य नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी से निपटने में रोकथाम, उपचार और समर्थन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। डीडीटीसी, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ मादक द्रव्यों के सेवन से निपटने और एक स्वस्थ समुदाय को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

जल्द से जल्द समाधान करने के दिए आवश्यक दिशा निर्देश

60 दिन से ज्यादा लंबित समस्याओं का निवारण 15 दिनों में करें संबंधित विभाग: मोनिका गुप्ता

संवाददाता
पंचकूला

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल ने आज चंडीगढ से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी उपायुक्तों के साथ समाधान शिविरों में लंबित शिकायतों की समीक्षा की व प्रदेश के सभी उपायुक्तों को लंबित शिकायतों का तुरंत निपटान करने के निर्देश दिए। उपायुक्त श्रीमती मोनिका गुप्ता ने प्रधान सचिव श्री अग्रवाल को बताया कि जिले में अब तक 4418 शिकायतें प्राप्त हुई है। इनमें से 104 शिकायतों का समाधान करना बाकि है, कुछ शिकायतें 104 में से निशानदेही, पीपीपी व पेंशन से संबंधित है, जिनका जल्द से जल्द समाधान कर दिया जाएगा।

इसके उपरांत उपायुक्त श्रीमती मोनिका गुप्ता ने लघु सचिवालय के सभागार में अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने समाधान शिविर, सीपी ग्राम, जनसंवाद, सीएम विंडो, एसएमजीटी की लंबित शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में विकास एवं पंचायत विभाग, राजस्व विभाग, जनस्वास्थ्य विभाग, यूएचबीवीएन, नगर निगम कालका तथा बैंकिंग को 60 दिन से लंबित पडी शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविर में आने वाले लोगो की समस्याओं का समाधान तुरंत होना चाहिए।

उपायुक्त ने कहा कि हरियाणा सरकार का उद्देश्य है कि अंतिम पंक्ति में खड़े गरीब व जरूरतमंद व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर लोगों की समस्याओं का निदान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव, एसडीएम पंचकूला चंद्रकांत, एसडीएम कालका सयंम गर्ग, नगराधीश विश्वनाथ, डीडीपीओ विशाल पराशर, जिला शिक्षा अधिकारी सतपाल कौशिक, जनस्वास्थ्य एवं अभियंत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता समीर शर्मा, एलडीएम, आरटीए पंचकूला, तहसीलदार, डीएसडब्लयूओ, एआरसी, डिवलेपमेंट एवं पंचायत, एक्सईन पंचायती राज, जिला परिषद, डीआरडीए, एलिमेंट्री एजुकेशन, फोरेस्ट, एचएसवीपी, हाउसिंग बोर्ड, यूएचबीवीएन, हेल्थ, ट्रांसपोर्ट, आरटीए, एचएसआईआईडीसी, डीईओ सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।